समाज विकास

स्थापित 1935
म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०७
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

इस अंक में

संपादकीय
- शिक्षा का पतन राष्ट्र का पतन है

अध्यक्षीय
- दायित्व - मेरा, आपका, हम सबका

प्रांतीय समाचार
- पश्चिम बंग, दिल्ली, सिक्किम, गुजरात झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर, उत्कल

रपट
- सम्मेलन प्रतिनिधिमंडल का श्री विश्वनाथ अग्रवाल से भेंट
- राष्ट्रीय संगठन मंत्री का मध्यप्रदेश दौरा
- स्वास्थ्य संगोष्ठी

संस्कार-संस्कृति चेतना
- रथयात्रा पर विशेष
- रामायण प्रसंग
- श्रीमद्भगवद् गीता से प्रेरणा

विशेष पेज-१९

45 YEARS OF HONESTY, INTEGRITY & TRUSTED PARTNERSHIPS

RAM RATTAN™ GROUP

Developing Farmhouse Communities

राम रतन का नौगाँव

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के समीप

गुरुग्राम से मात्र 60 मिनट	दिल्ली एवं नोएडा से मात्र 90 मिनट

प्रीमियम फार्महाउस जीवनशैली का अनुभव करें, जहाँ निवेश पर 44% तक संभावित रिटर्न (ROI) का अवसर है।

6	500+	1000+
प्रतिष्ठित परियोजनाएँ	बीघा विकसित भूमि	संतुष्ट ग्राहक

SCAN THE QR CODE

Email ID: enquiry@ramrattangroup.com | Website: www.ramrattangroup.com +91 99108 88324

DISCLAIMER: This advertisement is for informational purposes only and does not constitute an offer or solicitation for the sale of securities or financial products. The investment opportunity pertains strictly to agricultural land and is subject to applicable laws and regulations. The advertiser assumes no responsibility for any claims, representations, or outcomes related to this investment. Terms and conditions apply. 1 Bigha = 2529.28 m². 1 Acre= 4047 m²
The statement "90 minutes from Delhi to Naugaon" is indicative and based on an approximate travel distance of 115 km, measured from Mithapur, New Delhi to Naugaon. The estimated travel time is calculated under optimal traffic conditions, normal weather, and uninterrupted road connectivity. Actual travel time may vary depending on factors including, but not limited to traffic density, route selection, road conditions, vehicle type, driving speed, regulatory restrictions, and unforeseen circumstances. This communication is for general information and marketing purposes only and does not constitute a representation, warranty, or assurance of exact travel time.

समाज विकास

◆ जुलाई २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक ७
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है**	३-४
● **संपादकीय :** शिक्षा का पतन राष्ट्र का पतन है	५
● **अध्यक्षीय :** दायित्व – मेरा, आपका, हम सबका	६
● **सम्मेलन समाचार एवं रपट** सम्मेलन प्रतिनिधिमंडल का श्री विश्वनाथ अग्रवाल से भेंट; राष्ट्रीय संगठन मंत्री का मध्यप्रदेश दौरा; स्वास्थ्य संगोष्ठी	७-१०
विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**	
रथयात्रा पर विशेष; रामायण प्रसंग; श्रीमद्भगवद् गीता से प्रेरणा	१९-२१
● **प्रांतीय समाचार** पश्चिम बंग, दिल्ली, सिक्किम, गुजरात, झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर, उत्कल	१३-१८,२३-२८,३१
● **आलेख :** डॉ. जी.डी. अग्रवालः एक वैज्ञानिक जिसने गंगा के लिए अपने प्राण अर्पित कर दिए – उमेश खंडेलिया	३३
शेषांशः आत्मनिर्भरता का भ्रम और बिखरते परिवार - राजेश थरड़	३४
● नए सदस्यों का स्वागत	३५-३८

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

'समाज विकास' रै जून २०२६ अंक में संपादकीय बांच्यौ। संपादक शिव कुमार लोहिया आपणी मायड़भासा पेटै जरूरी फिकर सजोरै सबदां में करी।

एक जूंनी भासा जिकी नै दुनिया रा लूंठा विद्वानां अनूठी मानी, सुप्रीम कोर्ट चिंता करी, वा भासा मानता रै मारग नै उडीकै कित्ती अणओपती बात है। सरकार पढ़ाई में राजस्थानी जोड़ै, इण सूं पैलां आपां आपणै घरां नुंई पीढी री पढ़ाई तौ मातभासा में करावां! लोहियाजी री आ बात दाय आवणजोग है।

मारवाड़ी समाज भासा रौ खेतरपाळ रैयौ है। दीनाजपुर सम्मेलन सूं लेयनै आयै बरस २५ सितंबर रै सालीणै जळसै में भासा री बात करीजै। बगत-बगतसिर ग्यापन दीरीजै। मांग करीजै। उम्मेद है इणी कड़ी में ओ संपादकीय ई आपरौ असर दीखावैलो.... रंग

– **डॉ. दुलाराम सहारण**, चूरू
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी

घणा रंग है पत्रिका रे संपादक मंडल ने!

यूं तो बरसां सूं समाज विकास पत्रिका घरां आवती रही पण लारला कुछेक बरसां सूं निजर नीं चढ़ी। काल परसूं। पत्रिका रो पी डी एफ आयो तो पढ़ण रो मन हुयो।

शुरुआत में असम रा मुख्यमंत्री जी डॉ. हिमंत जी बिस्वा सरमा खुद कह्यो के 'असम रे आर्थिक, सांस्कृतिक अर असमिया भाषा री समृद्धि में मारवाड़ी समाज री महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।' इण सूं पूरे मारवाड़ी समाज ने अंजस। इण भांत रे साच ने स्वीकार कर ओ दिखा दियो के पूरो देश एक है। मारवाड़ी समाज देश रे विकास सारू पगां ऊभो!

इणी भांत सम्पादकीय में 'अपने ही घर में राजस्थानी बेगानी क्यों?' रे मार्फत राजस्थानी भाषा री पीड़ ने उजागर कीनी।

'सीताराम जी रुंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन' निर्माण कारज मारवाड़ समाज री स्थायी यादगार बण ऊभो हुवेला।

प्रतिभावान छात्र छात्रावां रो अभिनन्दन, मारवाड़ी भाई बहिनां सूं निवेदन, सम्मेलन गीत आद आद सूं लागो के असम अर दूजे राज्यां में बैठ्या रे मन में राजस्थानी भाषा अर राजस्थानियां पेटे कितरो प्रेम!

'मायड़ भाषा में भणाई टाबरां रो अधिकार' (रामजी लाल घोड़ेला) रो लेख उच्चतम न्यायालय रो राज्य सरकार ने प्राथमिक शिक्षा राजस्थानी भाषा में देवण रे निर्देशां बाबत खुलासो करे।

कुल मिलाय र पत्रिका पूरे मारवाड़ी समाज ने जोड़ण साथे राजस्थानी भाषा री मान्यता बाबत जागती लागे। इणी पेटे पूरे सम्पादक मंडल ने घणा घणा रंग।

– **छगन लाल व्यास**
खंडप जिला बालोतरा (राजस्थान)

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।
समाजहित में इनसे परहेज करें।

चिट्ठी आई है

' *राम ते अधिक राम कर दासा। 'हनुमान' विषय पर आधारित यह लेख अत्यंत उत्कृष्ट, हृदयस्पर्शी और गहन आध्यात्मिक अनुभूति से ओत-प्रोत है। लेखक ने भगवान राम और उनके परम भक्त हनुमान के दिव्य संबंध को जिस सूक्ष्मता और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया है, वह न केवल मन को आनंदित करता है, बल्कि आत्मा को भी स्पर्श करता है।

लेख की विशेषता इसकी विचार-समृद्धि और सांस्कृतिक विस्तार में निहित है।*भारत के विभिन्न क्षेत्रों में रामकथा की परंपरा, लोकजीवन में राम के व्यापक प्रभाव तथा संत कबीरदास और गोस्वामी तुलसीदास के दृष्टिकोणों को जिस सुंदरता से जोड़ा गया है, वह लेखक की गहरी समझ और अध्ययनशीलता को दर्शाता है। 'राम' को केवल एक नाम नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, चेतना और आंतरिक प्रकाश के रूप में प्रस्तुत करना इस लेख की सबसे बड़ी ताकत है।*

हनुमान जी के 'दास्य भाव' की व्याख्या अत्यंत प्रेरणादायक है। यह लेख हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति का मूल आधार निःस्वार्थ सेवा, पूर्ण समर्पण और अटूट विश्वास है। हनुमान जी के चरित्र के माध्यम से कर्तव्यनिष्ठा, विनम्रता और शक्ति का जो आदर्श सामने आता है, वह आज के *समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और अनुकरणीय है।*

लेख की भाषा सरल, प्रभावशाली और प्रवाहमयी है, जिससे पाठक सहज ही इसके भावों से जुड़ जाता है। शास्त्रीय संदर्भों, लोक उदाहरणों और भावनात्मक गहराई का संतुलित समन्वय इस लेख को अत्यंत प्रभावपूर्ण और स्मरणीय बनाता है।

समग्र रूप से यह लेख केवल एक आध्यात्मिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला एक प्रेरणास्रोत है। ऐसे उत्कृष्ट, सारगर्भित और चिंतनशील लेखन के लिए लेखक निश्चित रूप से साधुवाद के पात्र हैं।

'***मनीष बाजोरिया**, सूरत*'

हमारी सामाजिक पत्रिका के मई २०२६ के अंक में आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी का अध्यक्षीय उद्बोधन और आपका गरिमामय संपादकीय आलेख पढ़ने का सौभाग्य मिला। एक शाखा अध्यक्ष के नाते इन दूरदर्शी विचारों को आत्मसात कर मन गौरव से भर उठा। आदरणीय गोयनका जी ने 'मातृभाषा राजस्थानी को मिला संवैधानिक संबल' आलेख में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को समाज के संघर्ष की जीत बताया है। आलेख में यह उल्लेख देखना सुखद रहा कि निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में स्वयं आपके द्वारा पूर्व में माननीय प्रधानमंत्री जी व गृहमंत्री जी को भेजे गए पत्रों ने इस मुहिम की जमीन तैयार की, जिसे वर्तमान में गोयनका जी ने माननीय मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखकर जमीनी स्तर पर तुरंत लागू करने का सामयिक आग्रह किया है। आगामी जनगणना में मातृभाषा 'राजस्थानी' दर्ज कराने का उनका आह्वान एक सामूहिक संकल्प की तरह है।

दूसरी ओर, श्रद्धेय संपादक जी, आपके संपादकीय 'सरकार में समाज के प्रतिनिधित्व की आशा बलवती' में पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य का वर्ष १९४७ से लेकर २०२६ तक का ऐतिहासिक विश्लेषण अद्भुत है। आपका यह व्यावहारिक अवलोकन बेहद सटीक है कि मारवाड़ी समाज अब मूक मतदाता नहीं, बल्कि सत्ता के समीकरण तय करने वाली निर्णायक शक्ति बन चुका है। नवनिर्वाचित विधायकों की सूची के साथ मंत्रिमंडल में समाज को उचित स्थान मिलने की आपकी आशा सर्वथा सामयिक है। यह अंक सिखाता है कि समाज का सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होने के साथ-साथ राजनीतिक रूप से जागरूक होना कितना आवश्यक है। इस उत्कृष्ट संपादन और ओजस्वी विचारों के लिए आप दोनों शीर्ष मार्गदर्शकों को हृदय से साधुवाद।

राजेश थरड़ (मित्तल), इंदौर

श्रद्धांजलि

राजस्थानी लोकसंगीत के युगपुरुष के.सी. मालू

राजस्थानी लोकसंगीत, लोकभाषा और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाने वाले प्रख्यात संगीत संरक्षक, निर्माता तथा वीणा म्यूजिक एवं वीणा कैसेट्स के संस्थापक श्री केशरी चंद 'के.सी. मालू' का १३ जुलाई की देर रात दिल्ली में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे लगभग ८० वर्ष के थे। उनके निधन का समाचार मिलते ही राजस्थान सहित देश-विदेश में बसे राजस्थानी एवं मारवाड़ी समाज, लोक कलाकारों, साहित्यकारों, संगीत प्रेमियों और सांस्कृतिक संस्थाओं में शोक की लहर दौड़ गई।

भारत में राजस्थानी वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने आधुनिक रिकॉर्डिंग तकनीक को अपनाते हुए भी लोकसंगीत की मौलिकता, शुद्धता और सांस्कृतिक गरिमा से कभी समझौता नहीं किया। वर्ष १९४६ में चूरू जिले के सुजानगढ़ में जन्मे स्व. के.सी. मालू बचपन से ही राजस्थान की लोक परंपराओं, लोकभाषा और लोकधुनों से गहरे जुड़े रहे। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की तथा साहित्य और जैन दर्शन का भी गंभीर अध्ययन किया। शिक्षा और सांस्कृतिक संवेदनशीलता ने उनके व्यक्तित्व को ऐसी दिशा दी कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राजस्थान की लोकधरोहर के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। वर्ष १९८७ में उन्होंने वीणा म्यूजिक की स्थापना की। उस समय लोकसंगीत सीमित दायरे में सिमटा हुआ था और अधिकांश लोक कलाकारों को व्यापक मंच उपलब्ध नहीं था। के.सी. मालू ने कैसेट, ऑडियो-वीडियो एल्बम, सीडी और बाद में डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर राजस्थानी लोकसंगीत को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने आधुनिक रिकॉर्डिंग तकनीक को अपनाते हुए भी लोकसंगीत की मौलिकता, शुद्धता और सांस्कृतिक गरिमा से कभी समझौता नहीं किया।

स्व. के.सी. मालू की सबसे बड़ी उपलब्धि राजस्थान के पांच हजार से अधिक लोकगीतों का संरक्षण है। उन्होंने केवल लोकप्रिय गीतों का ही संग्रह नहीं किया, बल्कि गांवों, ढाणियों और दूरस्थ क्षेत्रों में प्रचलित उन लोकधुनों और गीतों को भी रिकॉर्ड कराया, जो समय के साथ विलुप्त होने की कगार पर थे। विवाह गीत, तीज-त्योहार, गणगौर, घूमर, पनिहारी, वीर रस, भक्ति, शृंगार और लोकजीवन से जुड़े हजारों गीतों का दस्तावेजीकरण कर उन्होंने राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित कर दिया।

राजस्थानी भाषा, लोकसंगीत और संस्कृति के संरक्षण में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें 'राजस्थान रत्न' सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी ने उन्हें समग्र कला साधना सम्मान प्रदान किया, जबकि महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउंडेशन ने उन्हें डागर घराना पुरस्कार से सम्मानित किया।

यह मेरा सौभाग्य रहा है कि आदरणीय मालू जी से मेरा व्यक्तिगत संपर्क रहा। जब भी वे कोलकाता आते थे तो मुझसे बिना मिले नहीं जाते। अभी इस वर्ष मार्च महीने में मैं जब जयपुर गया तो दो बार उनसे मिला। उनका प्रेम भरा आग्रह मेरे हृदय पटल पर सदैव अंकित रहेगा। पिछले वर्ष जब मैंने सम्मेलन गीत की रचना की तो मालू जी ने उस गीत को निःशुल्क संगीत बद्ध किया। इस वर्ष के गीत को भी उन्होंने संगीत बद्ध किया। वे मृदु भाषी एवं सौम्य व्यक्तित्व के धनी थे। उनके जाने से साहित्य, संस्कृति एवं समाज में एक बहुत बड़ी रिक्तता आई है जो कि निकट भविष्य में भर पाना काफी कठिन दिखाई देता है। मैं ऐसे सत्पुरुष को मैं अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

– **शिव कुमार लोहिया**, संपादक

शिक्षा का पतन राष्ट्र का पतन है

हम सभी जानते हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में भारत कभी विश्व गुरु था। यहां पर शिक्षा प्राप्त करने विश्व के सभी भागों से छात्र आया करते थे। ब्रिटिश सरकार देश को वास्तविक रूप में गुलाम बनाने के लिए हमारी शिक्षा पद्धति पर कुठाराघात किया था। उसी का फल था कि स्वतंत्रता के समय देश में सिर्फ १२% साक्षरता थी। यह साक्षरता आज लगभग ८०% तक तो पहुंच गई है फिर भी शिक्षा संबंधी कुछ ऐसे तथ्य है जिन पर विचार करना आवश्यक है। शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में १ अप्रैल २०१० से देश में लागू कर दिया गया था। फिर भी देश के बच्चे खासकर गांव में रहने वाले गरीब पिछड़े बच्चों तक सही मान की शिक्षा पहुंचाने में हम असफल रहे हैं।

हाल ही में नीति आयोग की एक रपट ने कहा है कि पिछले दशक में ९४००० सरकारी विद्यालय बंद हो गए। अर्थात प्रतिदिन २५ विद्यालय। २.२६ करोड़ बच्चे इन विद्यालयों में पढ़ते थे। इस रपट के अनुसार २०१४-१५ में ११.०७ लाख विद्यालय की जगह २०२४-२५ में १०.१३ लाख विद्यालय रह गए हैं। साथ ही सरकारी संरक्षण प्राप्त विद्यालय की संख्या दशक के दौरान ८३००० से घट कर ७९ हजार हो गई है। इसी दौरान निजी विद्यालयों की संख्या २.८ लाख से बढ़कर ३.३९ लाख हो गई है। सरकार की एक नीति के अनुसार आसपास के विद्यालयों को एक दूसरे के साथ मिलाकर खर्च बचाने के कारण संख्या में कमी आई है। यह तो स्पष्ट है कि इन विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या २६.९५ करोड़ से घटकर २०२४-२५ में २४.६९ करोड़ रह गई है। आंकड़े के अनुसार देश की सरकारी विद्यालयों में लगभग १२ लाख अध्यापकों का जगह रिक्त है। १०% विद्यालयों में मात्र एक शिक्षक है। अनेक विद्यालयों में बिजली नहीं है, ६७००० विद्यालयों में टॉयलेट की भी कमी है।

जैसा कि हमने देखा निजी विद्यालयों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन इन सुविधाओं से हमारा गरीब वर्ग वंचित है। शिक्षा के क्षेत्र में एक अत्यंत ही लचर व्यवस्था चल रही है जिसके कारण सरकारी क्षेत्र में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सरकारी विद्यालयों में सही मान के अध्यापकों की नियुक्ति एक आम समस्या है। अध्यापकों एवं छात्रों की उपस्थिति में भी ढिलाई रहती है। एक सर्वे करने पर सेकेंडरी लेवल पर छात्रों के सीखने में कमियों का भी पता चला। क्लास ९ के कई छात्र न सिर्फ़ एडवांस्ड मैथेमैटिक्स के टॉपिक जैसे कि अलजेब्रा और ज्योमेट्री, बल्कि प्रतिशत, फ़्रैक्शन और अनुपात जैसी बेसिक कॉन्सेप्ट्स को समझने में भी मुश्किल का सामना करते पाए गए। इससे पता चलता है कि जैसे-जैसे छात्र स्कूल सिस्टम में आगे बढ़ते हैं, सीखने की बुनियादी कमियां बनी रहती हैं।

सेकेंडरी स्तर पर आते-आते लगभग ३०% बच्चे शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो जाते हैं।

आपको यह जानकर घोर आश्चर्य होगा कि टाइम्स आफ इंडिया के रपट के अनुसार पिछले १० वर्षों में लगभग १५२ परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं जिसमें ७.५ करोड़ से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। हाल ही में नीट परीक्षा के प्रश्न पत्र के लीक होने पर २२ लाख से अधिक छात्र प्रभावित हुए और २० छात्रों ने तो आत्महत्या तक कर ली। नीट एवं इसी प्रकार के महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए विद्यार्थीगण वर्षों अपनी तैयारी करते हैं और उनके परिवार अपना पेट काट के जैसे-तैसे करके लाखों रुपयों की व्यवस्था करते हैं। जब इस तरह से अगर परीक्षा पेपर लीक के कारण स्थगित हो जाए तो हम समझ सकते हैं कि बच्चों पर मानसिक तनाव के साथ-साथ पूरे परिवार पर एक आर्थिक दबाव भी आ जाता है। यह कल्पना की जा सकती है कि इन सब परीक्षाओं में जब एक-एक परिवार लाखों रुपया खर्च करते हैं तो २२ लाख बच्चों के लिए कितना रुपया खर्च होता होगा। यह पेपर लीक पांचवीं बार हुई है। सर्वाधिक दुखद स्थिति तो यह है कि हम देश की प्रगति का ढोल यह कहकर पीटते रहते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था इतनी ट्रिलियन हो गई है और इतनी होने वाली है। लेकिन जिस देश में शिक्षा क्षेत्र की ऐसी स्थिति हो उस देश को कैसे हम विकसित कह सकते हैं। इस संदर्भ में दक्षिण अफ्रीका के एक विश्वविद्यालय के बाहर लिखी हुई बात मैं उद्धित करना चाहूंगा जो कि बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस बात पर हमें गौर करने की आवश्यकता है:-

किसी भी राष्ट्र के पतन के लिए परमाणु बमों या लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग आवश्यक नहीं है। बल्कि इसके लिए शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट और छात्रों द्वारा परीक्षाओं में नकल करने की अनुमति देना आवश्यक है।

परीक्षा में नकल करके पास हुए डॉक्टर के हाथों मरीज की मृत्यु हो जाती है।

और परीक्षा में नकल करके पास हुए इंजीनियर के हाथों इमारतें ढह जाती हैं।

और परीक्षा में नकल करके पास हुए लेखाकार के हाथों पैसा बर्बाद हो जाता है।

परीक्षा में नकल करके पास हुए धार्मिक विद्वान के हाथों मानवता का नाश हो जाता है।

परीक्षा में नकल करके पास हुए न्यायाधीश के हाथों न्याय का ह्रास हो जाता है।

और उन बच्चों के मन में अज्ञानता व्याप्त हो जाती है जो ऐसे शिक्षक की देखरेख में हैं।

'जिसने परीक्षा में नकल करके पास किया है।
शिक्षा का पतन राष्ट्र का पतन है।'

बात सिर्फ नकल की नहीं है। नकल हो या अन्य कारण हो, अगर शिक्षा व्यवस्था एवं शिक्षा के स्तर में कमी आती है तो इसका सीधा-सीधा असर बच्चों के भविष्य पर पड़ता है। जब बच्चों के भविष्य पर असर पड़ेगा तो राष्ट्र का भविष्य अपने आप प्रभावित हो जाएगा, क्योंकि युवा ही राष्ट्र का भविष्य होता है।

देश को विकसित बनाने एवं सही मायने में विकसित करने के लिए हमारे सरकारी विद्यालयों के स्तर को उच्च मान करना आवश्यक है, ताकि देश का प्रत्येक बच्चा शिक्षित होने का समान अवसर एवं सुविधा प्राप्त कर सके। हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है – **विद्या विहिनः पशुभिः सामानः**। शिक्षा के बिना मनुष्य पशु के समान है। बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन पर ध्यान देना सरकार की मुख्य प्राथमिकता होना अनिवार्य है।

शिवकुमार लोहिया

शिव कुमार लोहिया

दायित्व – मेरा, आपका, हम सबका

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

किसी भी संगठन की पहचान उसके भवन, संविधान या पदाधिकारियों से नहीं होती; उसकी वास्तविक पहचान उसके कार्यकर्ताओं के समर्पण, सदस्यों की सक्रियता और समाज के प्रति उसके दायित्वबोध से होती है। संगठन तभी जीवंत रहता है, जब प्रत्येक सदस्य यह अनुभव करे कि यह केवल किसी पदाधिकारी का नहीं, बल्कि उसका अपना संगठन है। यही भावना अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सबसे बड़ी शक्ति है और यही हमारे उज्ज्वल भविष्य का आधार भी।

आज हमारा सम्मेलन देश के अनेक प्रांतों, सैकड़ों शाखाओं और हजारों सदस्यों के माध्यम से समाज सेवा, संगठन विस्तार और सामाजिक जागरण का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। यह यात्रा केवल वर्षों की नहीं, बल्कि अनेक पीढ़ियों के त्याग, परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। हमें इस गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाना है, और इसके लिए सबसे पहले हमें अपने दायित्व को समझना होगा।

मैं सदैव मानता हूँ कि संगठन का विस्तार केवल सदस्य संख्या बढ़ाने से नहीं, बल्कि सक्रिय कार्यकर्ताओं के निर्माण से होता है। यदि हमारे पास हजारों निष्क्रिय सदस्य हों और दूसरी ओर कुछ सौ समर्पित कार्यकर्ता हों, तो समाज परिवर्तन का कार्य वही समर्पित कार्यकर्ता करेंगे। इसलिए आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता है कि प्रत्येक सदस्य स्वयं को संगठन का प्रतिनिधि माने और अपने क्षेत्र में सम्मेलन का दूत बनकर कार्य करे।

हमारे सम्मेलन का उद्देश्य केवल बैठकें आयोजित करना या औपचारिक कार्यक्रम करना नहीं है। हमारा उद्देश्य समाज को जोड़ना, परिवारों को जोड़ना, नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ना और सेवा के माध्यम से समाज में विश्वास का वातावरण निर्मित करना है। जब हमारी शाखाएँ नियमित बैठकें करें, नए परिवारों तक पहुँचें, युवाओं और महिलाओं को संगठन में सक्रिय भूमिका दें तथा सामाजिक सेवा के कार्यक्रमों को जन-आंदोलन का स्वरूप दें, तभी संगठन की वास्तविक शक्ति दिखाई देगी।

आज समाज तेजी से बदल रहा है। डिजिटल युग ने संवाद के नए माध्यम दिए हैं, लेकिन आत्मीयता का दायरा कहीं न कहीं सीमित हुआ है। ऐसे समय में सम्मेलन की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें केवल सामाजिक संस्था बनकर नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाले परिवार के रूप में कार्य करना होगा। प्रत्येक शाखा ऐसा केंद्र बने जहाँ सेवा, संस्कार, सहयोग और संगठन की भावना निरंतर विकसित होती रहे।

मैं विशेष रूप से हमारे प्रांतीय सम्मेलनों और शाखाओं से कहना चाहता हूँ कि संगठन की सफलता का सबसे बड़ा आधार नियमित संवाद और सक्रिय संपर्क है। शाखा केवल नाम मात्र की इकाई न रहे, बल्कि वह अपने क्षेत्र के प्रत्येक मारवाड़ी परिवार तक पहुँचे। नए सदस्यों को जोड़ना, पुराने सदस्यों को सक्रिय करना, युवाओं को नेतृत्व देना और महिलाओं की सहभागिता बढ़ाना–इन्हें प्राथमिकता बनाना समय की आवश्यकता है।

हमारे प्रत्येक पदाधिकारी को यह स्मरण रखना चाहिए कि पद सम्मान का नहीं, उत्तरदायित्व का प्रतीक है। पद हमें अधिकार नहीं देता, बल्कि अधिक सेवा करने का अवसर प्रदान करता है। जिस दिन हम इस भावना को आत्मसात कर लेंगे, उसी दिन संगठन की कार्यशैली में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगेगा। संगठन में किसी भी प्रकार का अहंकार, निष्क्रियता या व्यक्तिगत आग्रह हमारे सामूहिक उद्देश्य को कमजोर करता है, जबकि सहयोग, संवाद और समर्पण उसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की पहचान सदैव सेवा से रही है। रक्तदान, चिकित्सा शिविर, शिक्षा सहायता, जल सेवा, पर्यावरण संरक्षण, आपदा राहत, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास और सामाजिक समरसता जैसे कार्य केवल कार्यक्रम नहीं हैं; ये समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक शाखा अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं को समझे और सेवा को अपनी नियमित कार्यसंस्कृति बनाए।

मैं विशेष रूप से युवाओं से आग्रह करता हूँ कि वे सम्मेलन को केवल अपने बुजुर्गों का संगठन न समझें। आने वाला समय उन्हीं का है। उनकी ऊर्जा, तकनीकी दक्षता, नवीन सोच और नेतृत्व क्षमता सम्मेलन को नई दिशा दे सकती है। इसी प्रकार हमारी मातृशक्ति संगठन की आत्मा है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी सामाजिक संगठन पूर्ण नहीं हो सकता। इसलिए हमें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहाँ प्रत्येक परिवार सम्मेलन की गतिविधियों का स्वाभाविक सहभागी बने।

आज आवश्यकता इस बात की भी है कि हम शाखा, प्रांत और केंद्र के बीच निरंतर संवाद, पारदर्शिता और समन्वय को और अधिक मजबूत करें। संगठन तभी सशक्त होगा जब प्रत्येक इकाई स्वयं को एक बड़े परिवार का अभिन्न अंग माने। हमारी उपलब्धियाँ सामूहिक हों, हमारी चुनौतियाँ सामूहिक हों और उनके समाधान भी सामूहिक प्रयासों से ही निकलें।

आइए, हम सब मिलकर एक नया संकल्प लें– **प्रत्येक सदस्य एक नया सदस्य जोड़े, प्रत्येक शाखा प्रत्येक माह एक सेवा गतिविधि आयोजित करे, प्रत्येक प्रांत संगठन विस्तार का लक्ष्य निर्धारित करे और प्रत्येक पदाधिकारी अपने दायित्व का शत-प्रतिशत निर्वहन करे।** यही सम्मेलन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का सबसे प्रभावी मार्ग है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यदि हम सब अपने-अपने दायित्व को ईमानदारी, निष्ठा और सेवा-भाव से निभाएँ, तो अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन केवल एक संगठन नहीं रहेगा, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा, विश्वास और परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बनेगा।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि सम्मेलन का दायित्व केवल मेरा या आपका नहीं, बल्कि **हम सबका** है। जब प्रत्येक सदस्य इस दायित्व को अपना कर्तव्य मानकर आगे बढ़ेगा, तभी एक सशक्त, संगठित, संस्कारित और सेवा-समर्पित मारवाड़ी समाज का स्वप्न साकार होगा।

सम्मेलन समाचार

श्री ओम बिरला का सम्मान

राजस्थान फोरम द्वारा ३ जुलाई २०२६ को आईटीसी सोनार कोलकाता में आयोजित 'सम्मान समारोह' में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन बंसल जी ने माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया।

मोहाली में संगठन विस्तार एवं नई शाखा गठन हेतु सफल दौरा

५ जुलाई २०२६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने संगठन विस्तार एवं नई शाखा गठन के उद्देश्य से **मोहाली (पंजाब)** का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री राजकुमार मिश्रा**, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य **श्रीमती सुषमा अग्रवाल** एवं **श्री सज्जन शर्मा**, सेंट्रल दिल्ली शाखा अध्यक्ष **श्री पवन कुमार शर्मा** तथा नॉर्थ दिल्ली शाखा अध्यक्ष **श्री राजेश सोनी** शामिल रहे।

बैठक में सम्मेलन के इतिहास, उद्देश्यों एवं वर्तमान प्रकल्पों की जानकारी दी गई। उपस्थित समाज बंधुओं ने सम्मेलन की गतिविधियों की सराहना करते हुए शीघ्र ही मोहाली शाखा के गठन का आश्वासन दिया और इसकी जिम्मेदारी **श्री विवेक मित्तल** जी को सौंपी गई।

सम्मेलन प्रतिनिधिमंडल का श्री विश्वनाथ अग्रवाल से भेंट

न्यायोचित कार्रवाई एवं व्यापारियों की सुरक्षा की उठाई मांग

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के नेतृत्व में सम्मेलन के एक प्रतिनिधिमंडल ने ९ जुलाई २०२६ को पोस्ता (बड़ा बाजार), कोलकाता में हाल ही में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संदर्भ में प्रतिष्ठित व्यापारी एवं व्यापारिक संगठन के पदाधिकारी श्री विश्वनाथ अग्रवाल से उनके कार्यालय पर भेंट कर उनके प्रति अपनी संवेदना एवं एकजुटता व्यक्त की।

प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन बंसल तथा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल मलावत भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने श्री अग्रवाल को सम्मेलन की ओर से एक ज्ञापन सौंपते हुए इस घटना की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि किसी भी व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता अथवा व्यापारिक संगठन के पदाधिकारी के साथ इस प्रकार की हिंसक एवं आपराधिक घटना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे व्यापारिक समाज की सुरक्षा, सम्मान और विश्वास पर आघात है। उन्होंने कहा कि कानून का शासन सर्वोपरि है और दोषी चाहे कोई भी हो, उसके विरुद्ध बिना किसी पक्षपात के कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन को जानकारी मिली है कि जांच एजेंसियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसका सम्मेलन स्वागत करता है। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि जांच पूरी निष्पक्षता के साथ आगे बढ़ाई जाए तथा यदि इस घटना में किसी अन्य व्यक्ति, समूह अथवा किसी प्रकार की साजिश की संलिप्तता सामने आती है, तो उसके विरुद्ध भी विधि सम्मत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य प्रशासन एवं जांच एजेंसियों से व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों की सुरक्षा के लिए प्रभावी एवं स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। सम्मेलन ने स्पष्ट किया कि न्याय की मूल भावना यही है कि दोषियों को कठोर दंड मिले तथा किसी भी निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित न किया जाए।

इस अवसर पर सम्मेलन के पदाधिकारियों ने श्री विश्वनाथ अग्रवाल को विश्वास दिलाया कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन इस कठिन समय में उनके साथ पूर्ण नैतिक एवं सामाजिक एकजुटता के साथ खड़ा है तथा सत्य, न्याय और विधि के शासन में अपना पूर्ण विश्वास व्यक्त करता है।

सम्मेलन समाचार

शिष्टाचार भेंट एवं औपचारिक बैठक

१७ जून २०२६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री राज कुमार मिश्रा** के उत्कल प्रवास के दौरान उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की भुवनेश्वर एवं कटक शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ एक गरिमामयी **औपचारिक बैठक एवं शिष्टाचार भेंट** आयोजित की गई।

बैठक के प्रारंभ में श्री मिश्रा का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र से स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता वृद्धि, युवा एवं महिला सहभागिता तथा समाजहित के विभिन्न सेवा प्रकल्पों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। बैठक में भुवनेश्वर एवं कटक शाखा के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्री राजकुमार मिश्रा जी ने संगठनात्मक एकता, सेवा, समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सर्वोपरि बताते हुए सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से समाजहित में निरंतर सक्रिय एवं समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके कर्मठ एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं में निहित होती है तथा सामूहिक प्रयासों से ही संगठन नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता है।

बैठक के सफल आयोजन में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल** एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री जितेन्द्र गुप्ता** का विशेष योगदान रहा। बैठक में भुवनेश्वर शाखा से अध्यक्ष **श्री मनोज बाजोरिया**, सचिव **श्री किशन खंडेलवाल**, कोषाध्यक्ष **श्री प्रदीप चौधरी**, उपाध्यक्ष द्वय **श्री कैलाश अग्रवाल** एवं **श्री राधेश्याम अग्रवाल**, संयुक्त सचिव **श्री कमल शर्मा**, कार्यकारिणी सदस्य **श्री दीपक गुप्ता** तथा संस्थापक अध्यक्ष **श्री अशोक अग्रवाल** उपस्थित रहे। इसी प्रकार कटक शाखा से अध्यक्ष **श्री पवन जाजोदिया**, उपाध्यक्ष **श्री चांदमल बागड़िया**, संयुक्त सचिव **श्री आशीष जाजोदिया** एवं सलाहकार **श्री पवन भवसिंहका** भी बैठक में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री का मध्य प्रदेश दौरा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार सुराणा** ने **२ जुलाई २०२६** को मध्य प्रदेश का सांगठनिक दौरा कर **कटनी** एवं **जबलपुर** में प्रांतीय पदाधिकारियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं समाज के श्री अजय खंडेलवाल, श्री राजकुमार, श्री बिल्लू शर्मा, श्री जितेन्द्र कानोड़िया, श्री श्याम सुंदर मित्तल, श्री अशोक अग्रवाल, श्री अजय सरावगी, श्री जितेन्द्र सिंघानिया एवं श्री दीपक सरावगी के साथ बैठकें कीं।

कटनी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष **श्री शरद सरावगी** ने की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में **कटनी**, **शहडोल**, **इंदौर** एवं **सतना** में सम्मेलन की शाखाएँ सक्रिय हैं तथा **उज्जैन**, **छिंदवाड़ा**, **कोटमा**, **उमरिया** एवं **भोपाल** में नई शाखाओं के गठन की संभावनाएँ हैं।

श्री बसंत कुमार सुराणा ने **संगठन विस्तार**, **सदस्यता संवर्धन**, महिला सशक्तिकरण, **संस्कारशालाओं के माध्यम से** बच्चों में संस्कार निर्माण तथा समाज में व्याप्त **कुरीतियों** के उन्मूलन पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** के नेतृत्व में सम्मेलन देशभर में संगठन सुदृढ़ीकरण एवं समाज सुधार के विभिन्न प्रकल्पों को गति दे रहा है। बैठक में आगामी एक से डेढ़ माह के भीतर उज्जैन, कोटमा, उमरिया एवं छिंदवाड़ा में से कम से कम तीन नई शाखाओं के गठन तथा कटनी में विशेष सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

दौरे के दूसरे चरण में श्री सुराणा **जबलपुर** पहुँचे, जहाँ सम्मेलन की निष्क्रिय शाखा के पुनर्गठन को लेकर वरिष्ठ सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मध्य प्रदेश के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री विजय कुमार सकलेचा**, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कमलेश नाहटा**, **श्री श्यामसुंदर माहेश्वरी**, कोषाध्यक्ष **श्री दिलीप अग्रवाल** एवं अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

स्वस्थ्य व्यक्ति, स्वस्थ्य परिवार, स्वस्थ्य समाज हमारा संकल्पः श्री पवन कुमार गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में दिनांक १८ जुलाई २०२६ को स्वास्थ्य उपसमिति के तत्वावधान में एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक **स्वास्थ्य संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य समाज के लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा आधुनिक चिकित्सा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का प्रसार करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदार नाथ गुप्ता** द्वारा तीन बार ॐ के उच्चारण के साथ किया गया, जिससे पूरे सभागार में सकारात्मक एवं आध्यात्मिक वातावरण का संचार हुआ।

स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. विजय केजरीवाल** ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता ही अनेक गंभीर बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसी संगोष्ठियाँ समाज को समय रहते स्वास्थ्य केप्रति सचेत करती हैं तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने इस संगोष्ठी के सफल आयोजन में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं स्वास्थ्य उपसमिति के संयोजक श्री अनिल मलावत के विशेष सहयोग की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ताओं के रूप में क्लस्टर डायरेक्टर आर्थोपेडिक्स, मणिपाल ई.एम.बाइपास एवं मुकुंदपुर हॉस्पिटल्स **डॉ. विकाश कपूर** तथा गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, मणिपाल हॉस्पिटल्स **डॉ. देबोत्तम बंद्योपाध्याय** उपस्थित रहे। सम्मेलन की ओर से दोनों विशिष्ट चिकित्सकों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने की। अपने अध्यक्षीय उद्‍बोधन में उन्होंने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि जागरूक समाज, स्वस्थ परिवार यही है सम्मेलन का मुख्य आधार। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सम्मेलन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने जानकारी दी कि सम्मेलन द्वारा मणिपाल हॉस्पिटल, कोलकाता, एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल, लीलावती अस्पताल, फोर्टिस अस्पताल तथा मैक्स अस्पताल के साथ समझौता (एमओयू) किया जा चुका है, जिससे सम्मेलन के सदस्यों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने यह भी बताया कि सम्मेलन अपने सदस्यों के लिए एक विशेष सदस्य स्वास्थ्य पहचान-पत्र (आईडी कार्ड) जारी करने की योजना पर कार्य कर रहा है, जिसके माध्यम से सदस्यों एवं उनके परिवारों को इन अस्पतालों में रियायती दरों पर उपचार की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर विशेष बल दिया कि केवल बीमारी का उपचार ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नियमित स्वास्थ्य संगोष्ठियों, स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों एवं जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी उतना ही आवश्यक है।

इसके पश्चात स्वास्थ्य उपसमिति के संयोजक एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री अनिल मलावत** ने मुख्य वक्ता डॉ. विकाश कपूर का परिचय कराया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. विकाश कपूर ने अपने चिकित्सकीय जीवन की यात्रा साझा करते हुए बताया कि वे एक व्यापारी परिवार से हैं। वर्ष १९७७ में उनकी माताजी को गंभीर हृदय रोग हुआ था। उस समय सफल हृदय शल्य चिकित्सा अत्यंत दुर्लभ थी, किंतु मुंबई के एक चिकित्सक ने उनकी माताजी का सफल उपचार किया। उस घटना ने बाल्यावस्था में ही उनके मन में चिकित्सक बनने का संकल्प जगा दिया और उसी प्रेरणा ने उन्हें चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की बीमारी केवल उसी तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। इसलिए चिकित्सा केवल

एक व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज सेवा का सशक्त माध्यम है। डॉ. कपूर ने समाज से आग्रह किया कि प्रत्येक परिवार को अपनी नई पीढ़ी में से कम-से-कम एक सदस्य को चिकित्सा क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक जिले एवं नगर में उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हों, तो लोगों को उपचार के लिए दूर-दराज़ नहीं जाना पड़ेगा और स्वास्थ्य सेवाओं में आत्मनिर्भरता आएगी।

डॉ. कपूर ने अपने संबोधन में देश में बढ़ती घुटनों की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में भारत में प्रतिवर्ष लगभग ६ लाख घुटना प्रत्यारोपण (Knee Replacement) शल्यक्रियाएँ की जाती हैं। उन्होंने बताया कि देश की लगभग १४० करोड़ की जनसंख्या में से लगभग ३० प्रतिशत लोग ६० वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के हैं, अर्थात लगभग ४० करोड़ वरिष्ठ नागरिक। इनमें से बड़ी संख्या गठिया (Arthritis) जैसी समस्याओं से पीड़ित है तथा अनुमानतः लगभग ४ करोड़ लोगों को घुटना प्रत्यारोपण (Knee Replacement) की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक रोगी को ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं होती। सही समय पर जाँच, उचित परामर्श, जीवनशैली में सुधार एवं नियमित उपचार के माध्यम से अनेक रोगियों को शल्य चिकित्सा से बचाया जा सकता है। उन्होंने समाज में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों तक सही चिकित्सकीय जानकारी पहुँचाने के लिए सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति की सराहना की तथा भविष्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि ऐसी पहल समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक है।

स्वास्थ्य उपसमिति की सदस्य **श्रीमती श्वेता शर्मा** ने डॉ. विकाश कपूर के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि वह डॉ. विकाश कपूर के विचारों से पूर्णतः सहमत हैं। आज पश्चिम बंगाल में भी विश्वस्तरीय तकनीक एवं दक्ष चिकित्सकों की उपलब्धता है, इसलिए अनेक जटिल उपचार अब स्थानीय स्तर पर ही संभव हैं। इसलिए लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए अन्य शहरों का रुख करने की आवश्यकता नहीं है।

इसके उपरांत **श्री पवन पाटोदिया** ने मेडिकल इंश्योरेंस की उपयोगिता, उसकी आवश्यकताओं तथा उससे जुड़ी सावधानियों पर विस्तृत एवं सरल जानकारी प्रदान की।

मुख्य वक्ता डॉ. देबोत्तम बंद्योपाध्याय ने पाचन तंत्र एवं पेट संबंधी विभिन्न रोगों, उनके कारणों, लक्षणों, समय पर जाँच तथा बचाव के उपायों पर अत्यंत उपयोगी एवं वैज्ञानिक जानकारी साझा की। उन्होंने विशेष रूप से अग्न्याशय की सूजन (Pancreatitis) तथा फैटी लिवर (Fatty Liver) जैसी तेजी से बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याओं के कारणों, लक्षणों, समय पर पहचान, उपचार एवं बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली तथा समय-समय पर चिकित्सकीय जाँच के माध्यम से इन रोगों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

यह स्वास्थ्य संगोष्ठी न केवल समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत सफल रही, बल्कि सम्मेलन द्वारा समाज को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी प्रभावी परिचायक सिद्ध हुई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल (ज़ूम)**, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री **श्री पवन कुमार जालान, श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री नंदलाल सिंघानिया, श्री शरत झुनझुनवाला, श्री पियूष क्याल, श्री गिरधारी लाल केसन, श्री बालकृष्ण जालान, श्री रामअवतार बींजराजका, श्री अरुण कुमार गाड़ोदिया, श्री शरद श्रॉफ, श्री पवन जैन, श्री विकाश कासलीवाल, श्री नरेश डालमिया, श्री सीताराम शर्मा, श्री रामानंद रुस्तगी, श्रीमती सुनिपा सेनगुप्ता, श्री मैनाक दत्ता एवं निम्नलिखित व्यक्तिगण जूम के माध्यम से निवर्तमान राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान, श्री रमाकांत देवड़ा, श्री अरुण ड्रोलिया, श्री अनिल डालमिया, श्री मनीष अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन श्री कमलेश नाहटा, श्री राजेंद्र झुनझुनवाला, श्री अरुण भरतिया, श्री शरद, श्री रंजीत डालमिया, श्री रमेश, श्री अरुण कुमार बुधिया, श्री अनिल मुकीम, श्री नितीश शर्मा, श्रीमती राधिका माटोलिया, श्री दिलीप खावड़, श्री महेश कुमार जोशी, श्री विश्वनाथ अग्रवाल, श्री मनोज अगरवाला, श्री प्रकाश चौधरी, श्री अभिषेक पारीक, श्री फतेह गिरिया, श्रीमती ज्योति सतनालिका** सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित रहे।

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The **wood** of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

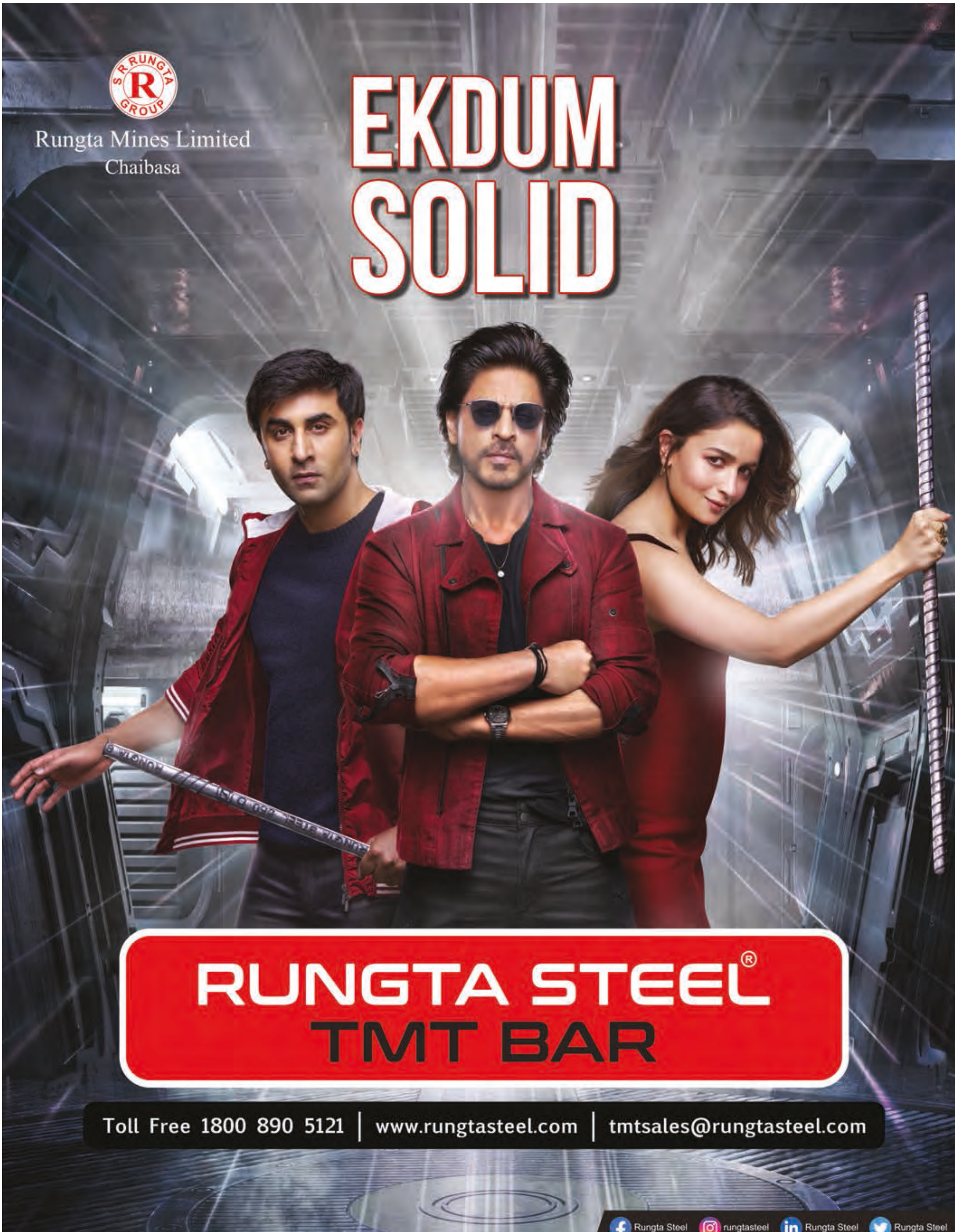

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

सामूहिक विवाह संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की रानीगंज शाखा एवं हनुमान चालीसा संघ के संयुक्त तत्वावधान में १२ जुलाई २०२६ को बाजोरिया वृद्ध सेवा सदन में छह जरूरतमंद जोड़ों का सामूहिक विवाह धार्मिक रीति-रिवाजों एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया गया। समारोह में बड़ी संख्या में समाजसेवी, गणमान्य नागरिक एवं परिजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में रानीगंज के विधायक पार्थो घोष ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, समृद्ध और सफल दांपत्य जीवन की कामना की।

आयोजन समिति के प्रमुख ओमप्रकाश बाजोरिया ने बताया कि बाजोरिया वृद्ध सेवा सदन की ओर से अब तक ५७२ जरूरतमंद जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि संस्था वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के सम्मानजनक विवाह के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सामूहिक विवाह समारोह पूरी धार्मिक परंपराओं और सामाजिक गरिमा के साथ आयोजित किया जाता है। दंपतियों को गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए पलंग, अलमारी, बर्तन, कपड़े तथा दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक सामग्री भी उपहारस्वरूप प्रदान की गई।

इस अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन रानीगंज शाखा के सचिव श्री अरुण भरतीया, दुर्गापुर शाखा के अध्यक्ष श्री अशोक कजरिया, रानीगंज एस के एस पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल संदीप सिंहा, कोलकाता के शाखा के उपाध्यक्ष श्री विश्वनाथ खरकिया, श्री विमल अग्रवाल एवं श्री राजीव बाजोरिया सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने पंकज भालोटिया एवं अभिषेक शरद (डोकानिया) की प्राथमिक सदस्यता समाप्त की

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने संगठन के संविधान, अनुशासन एवं मर्यादा के उल्लंघन के आरोपों में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व महामंत्री **श्री पंकज कुमार भालोटिया** एवं पूर्व कोषाध्यक्ष **श्री अभिषेक शरद (डोकानिया)** की प्राथमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है। यह निर्णय राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने संविधान की **धारा ५** के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए लिया।

दोनों को पूर्व में **'कारण बताओ नोटिस'** जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था। प्राप्त उत्तरों के परीक्षण के उपरांत राष्ट्रीय नेतृत्व ने पाया कि वे आरोपों का संतोषजनक जवाब देने में असफल रहे तथा वे संगठन के अधिकृत निर्णयों, संविधान एवं अनुशासन के प्रति असहयोग एवं अवज्ञा का कार्य किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जारी आदेश के अनुसार, दोनों निष्कासित सदस्य **श्री नंद किशोर अग्रवाल (सम्मेलन से पूर्व निष्कासित)** के साथ संगठन के हितों के विरुद्ध सार्वजनिक गतिविधियों में सहभागी रहे तथा संगठन के अधिकृत निर्णयों के विपरीत कार्य करते पाए गए, जिससे संगठन की एकता, अनुशासन एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हुई।

श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि दोनों के आचरण के कारण उन्होंने संगठन की सदस्यता बनाए रखने का नैतिक एवं संवैधानिक अधिकार खो दिया है। परिणामस्वरूप उनकी राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखा स्तर की प्राथमिक सदस्यता समाप्त कर दी गई है तथा उन्हें संगठन के सभी सदस्यीय अधिकारों से वंचित कर दिया गया है।

उन्होंने सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों से संगठन की एकता, मर्यादा एवं संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान करते हुए कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन संगठनात्मक अनुशासन एवं समाजहित के विषय में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काई आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

डॉक्टर्स दिवस पर चिकित्सकों और सीए को किया सम्मानित

डॉक्टर दिवस के अवसर पर प्रसिद्ध स्त्रीरोग विशेषज्ञ **डॉ. शशिकला** को सम्मानित करने के दौरान आसनसोल शाखा के पदाधिकारीगण।

सम्मेलन के शाखाध्यक्ष **श्री नरेश अग्रवाल** एवं सदस्य **श्री आनंद पारीक** ने बताया कि प्रत्येक वर्ष डॉक्टर दिवस पर मारवाड़ी सम्मेलन की आसनसोल शिल्पांचल शाखा शहर के विभिन्न डॉक्टर्स का सम्मान कर उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता है। देश के चिकित्सा पेशेवरों की अथक सेवा, समर्पण व करुणा को पहचानने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस मनाया जाता है।

इस अवसर पर **डॉ. रवि दारूका, डॉ. बृजेश कुशवाहा**, स्त्रीरोग विशेषज्ञ **डॉ. शशिकाला, डॉ. एके आस, श्री गोविंद गोयल** को अंग वस्त्र पुष्प भेंटकर सम्मानित किया। मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन आसनसोल शाखा के अध्यक्ष **श्री नरेश अग्रवाल, श्री शंकर लाल शर्मा, श्री विशाल मांवडिया, श्री आशीष केडिया, श्री विजय माखरिया** उपस्थित थे।

असहाय वरिष्ठ नागरिकों की सेवा

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं बांकुड़ा शाखा के पूर्व शाखाध्यक्ष **श्री दिनेश सराफ** ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन (PBPMS) के विभिन्न संवाद माध्यमों पर वाद-विवाद, आरोप-प्रत्यारोप एवं अनावश्यक टिप्पणियों का वातावरण बना हुआ है। यह अत्यंत चिंतनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि जिस संगठन से हम समाज सेवा, एकता एवं सहयोग की भावना लेकर जुड़ते हैं, वहीं कभी-कभी व्यक्तिगत स्वार्थ, पद-प्रतिष्ठा की लालसा, मंचासीन रहने की प्रवृत्ति तथा समाचारों की सुर्खियों में बने रहने की होड़ हमें वास्तविक सामाजिक दायित्वों से दूर ले जाती है।

उन्होंने कहा कि किसी भी सामाजिक संस्था की शक्ति उसके आपसी मतभेदों में नहीं, बल्कि समाजहित के कार्यों में निहित होती है। हम सभी को व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर समाज के उत्थान, सेवा एवं विकास के लिए संगठित होकर कार्य करना चाहिए। यही किसी भी संगठन की वास्तविक पहचान और सफलता का आधार है।

श्री सराफ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे वातावरण के बीच भी अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने उन्हें एक कार्यकर्ता के रूप में सेवा का अवसर प्रदान किया। सम्मेलन द्वारा संचालित सेवा प्रकल्प के अंतर्गत २५ जून २०२६ को बांकुड़ा शहर के समीप स्थित क्षीरोद प्रसाद वृद्धाश्रम में निवासरत ३० से अधिक असहाय एवं वरिष्ठ नागरिकों के बीच दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री, खाद्य सामग्री तथा भीषण गर्मी से राहत के लिए शीतल पेय एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया गया।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत १५ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब साढ़े ४ करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

उदारहृदय समाजबंधुओ का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार!

आर्थिक सहयोग हेतु :

A/c Name : Marwari Sammelan Foundation
A/C Higher Education Fund, A/c No. : 912010008929768
Bank : Axis Bank Ltd.
Branch : Paddapukur, Kolkata-700020
IFSC Code : UTIB0001311

सम्पर्क करें :

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700017
Ph : 033-4004 4089, Mb : 86973 17557
Web : www.marwarisammelan.com
Email : aimf1935@gmail.com

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

ईंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर-उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेघावी एवं जरुरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता :

(क) १७ और २५ वर्षो के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओ में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय आठ लाख रुपये तक होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया :

(क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रो, प्रवेश के प्रमाण, पासपोर्ट साइज के दो फोटो, पहचान पत्र एवं पते का कोई एक प्रमाण, कोर्स फीस (फीस संरचना एवं संस्थान के बैंक खाते का विवरण, पूरे परिवार का एक फोटो, पारिवारिक आय प्रमाणपत्र, अभिभावक का पुनर्भुगतान पत्र, प्रस्तावक का अनुशंसा पत्र एवं प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा अनुशंसा पत्र।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्र-छात्राओं के लिए सुरक्षित है।

आवेदन करें :

चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
५बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७,
फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : msfkolkata@gmail.com

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति

संतोष सराफ
संयोजक, उच्च शिक्षा उपसमिति

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

कार्यकारिणी सभा संपन्न

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गणगौर शाखा की कार्यकारिणी सभा का आयोजन १२ जुलाई २०२६ को सागर रत्ना रेस्टोरेंट, नई दिल्ली में संपन्न हुआ। सभा की अध्यक्षता शाखाध्यक्ष श्री नरेन्द्र डागा ने की।

बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री राजेश सिंघल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री मन्नालाल बैद, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं निवर्तमान शाखाध्यक्ष श्री रमेश बजाज तथा पूर्व शाखाध्यक्ष श्री पवन पोद्दार विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी विचारों से कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया।

बैठक में शाखा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए संगठन के विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। मुख्य रूप से सदस्य संख्या में वृद्धि, संगठन को अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने तथा अधिकाधिक परिवारों को सम्मेलन से जोड़ने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने पारिवारिक स्तर पर आपसी मेल-मिलाप बढ़ाने तथा सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से नए परिवारों को सम्मेलन से जोड़ने पर विशेष बल दिया।

सभा के दौरान शाखाध्यक्ष श्री नरेन्द्र डागा ने सदस्यों के मध्य पारस्परिक सौहार्द एवं आत्मीयता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सितंबर माह में एक पारिवारिक 'गोठ (पिकनिक)' आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसका उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया। इस विषय पर श्री बसंत पोद्दार, श्री विमल महनोत, श्री देवड़ा तथा श्री मरोड़िया सहित अनेक सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं विचार प्रस्तुत किए।

बैठक के अंत में श्री गौरव केडिया ने, जिन्होंने कार्यक्रम के लिए उत्कृष्ट जलपान व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया, सभी अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में श्रीमती शारदा डागा एवं श्रीमती मधु महनोत की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा में और वृद्धि की।

प्रांतीय समाचार : सिक्किम

गौशाला में राधा कृष्ण मंदिर का भव्य उद्‌घाटन सम्पन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं सम्मेलन से संबद्ध संस्था सिक्किम मारवाड़ी समाज के संयुक्त तत्वावधान में २७ जून २०२६ को गंगटोक के समीप स्थित गौशाला परिसर में नवनिर्मित राधा-कृष्ण मंदिर का भव्य उद्‌घाटन समारोह श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।

समारोह में लगभग ७० से ८० श्रद्धालु भक्तजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस पावन अवसर पर सिक्किम सरकार के कृषि एवं बागवानी मंत्री श्री पुरन गुरुंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा उन्होंने मंदिर उद्‌घाटन एवं गौसेवा के इस प्रेरणादायी प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने गौमाता को गुड़, दाल, केले एवं अन्य पौष्टिक सामग्री अर्पित कर गौसेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। संपूर्ण वातावरण भक्ति, सेवा एवं आध्यात्मिक उल्लास से ओतप्रोत रहा।

इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की विभिन्न सेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं ने भविष्य में भी गौसंरक्षण एवं गौसेवा के कार्यों में सक्रिय सहयोग देने तथा समाजहित के सेवा कार्यों से निरंतर जुड़े रहने का सामूहिक संकल्प लिया।

संबद्ध संस्था

साधारण सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की संबद्ध संस्था **सिक्किम मारवाड़ी समाज** द्वारा **२१ एवं २४ जुलाई** को आयोजित साधारण सभा के अवसर पर राज्य के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में **'प्रतिभा सम्मान समारोह'** का आयोजन किया गया।

समारोह में १०वीं एवं १२वीं की बोर्ड परीक्षाओं में ९० प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले दक्षिण, पश्चिम, उत्तर एवं पूर्व सिक्किम के कुल ३२ विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। दोनों कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

सिक्किम मारवाड़ी समाज की ओर से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने की यह पहली पहल रही, जिसे समाज के सदस्यों ने अत्यंत सराहा। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन का माध्यम बना, बल्कि शिक्षा के प्रति समाज की प्रतिबद्धता एवं प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की भावना का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

ज्ञान ज्योति सम्मान समारोह का आयोजन

२८ जून २०२६ दिन रविवार को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा **'ज्ञान ज्योति सम्मान समारोह'** का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में गुजरात प्रदेश से आए मारवाड़ी समाज के वैसे बच्चों को सम्मानित किया गया जो पिछले दो वर्षों में सीए, एमबीए, डाक्टर आदि की डिग्री प्राप्त की है। सभी बच्चों को यह सम्मान नागालैंड राज्य के राज्यपाल महामहीम **श्री नंदकिशोर जी यादव** द्वारा प्रदान किया गया। महामहिम राज्यपाल से सम्मान पाकर सभी बच्चों के चेहरे खिल उठे एवं उनके परिवार हर्षोल्लास से भर उठे।

इसके पहले कार्यक्रम का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। उसके पश्चात राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान जन गण मन का प्रसारण किया गया। मंच पर उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन जी गोयनका**, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोकुल चंद्र बजाज**, प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री संजय अग्रवाल**, संस्थापक अध्यक्ष **श्री जयप्रकाश जी अग्रवाल**, संरक्षक **श्री विनोद जी अग्रवाल**, एवं **श्री निरंजन जी अग्रवाल** ने सबसे पहले मारवाड़ी पगड़ी पहनकर महामहिम का सम्मान किया तथा साथ में उन्हें दुशाला उढ़ाकर एक मोमेंटो प्रदान किया गया। इसके पश्चात मंच पर उपस्थित तमाम पदाधिकारी ने दिल्ली से पधारे हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन जी गोयनका का पगड़ी पहनकर एवं दुपट्टा उड़ाकर सम्मान किया। सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने अपने संबोधन ने महामहिम का परिचय कराया तथा उपस्थित बच्चों को एक संदेश दिया की बच्चों जब आप अपनी और राष्ट्र की प्रगति में सहायक होंगे तब समाज के मूल्यो और कर्तव्यों को मत भूलना। तत्पश्चात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोकुलचंद जी बजाज ने अपने संबोधन में यह स्पष्ट किया कि इस तरीके का कार्यक्रम

हम लोग करीब ७ वर्षों से करते आ रहे हैं। और धीरे-धीरे इस कार्यक्रम के स्वरूप में वृद्धि हो रही है। कार्यक्रम की शुरुआत के १ घंटे पहले के समय का सदुपयोग करते हुए उपस्थित बच्चों के बीच **श्री रवि छावछरिया** ने अपनी मोटिवेशनल स्पीच से बच्चों के दिल में एक जगह बनाई। उसके बाद **तापी उड़ान शाखा** की अध्यक्ष **श्रीमती मनीषा कजरिया** ने बच्चों के बीच संबोधन में बताया कि कैसे बच्चों का भविष्य तैयार किया जा सकता है।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में महामहिम राज्यपाल श्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि भारत के विकास में मारवाड़ी समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी एक मारवाड़ी विद्यालय में हुई थी, जहाँ से उन्हें उत्कृष्ट संस्कार एवं शिक्षा प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि भारत के औद्योगिक विकास, व्यापारिक उन्नति तथा सामाजिक उत्थान में मारवाड़ी समाज ने सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है और राष्ट्र निर्माण में उसका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार

गोयनका ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान समय तक राष्ट्र निर्माण में मारवाड़ी समाज के अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का सशक्त साधन है। उन्होंने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियों, सेवा कार्यों एवं संगठन की राष्ट्रीय भूमिका से भी उपस्थित जनसमुदाय को अवगत कराया तथा युवाओं से समाज की गौरवशाली परंपराओं, संस्कारों एवं मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक मंडल की टीम जो सीए **श्री अभिषेक चौधरी** जी के नेतृत्व में काम कर रही थी सीए **श्री विजय मित्तल** सीए **श्री मिहिर अग्रवाल** सीए **श्री ध्रुव जैन** एवं **श्री संजय मंगल** के रूप में थी उन्होंने कड़ी मेहनत करके कार्यक्रम में जान फूंक दी।

सूरत शहर में संगठन की तीनों शाखाएं **सूरत शाखा**, वेसू शाखा और **तापी उड़ान शाखा** के पदाधिकारी एवं सदस्यगण का विशेष रूप से हार्दिक आभार जिन्होंने प्रदेश के साथ कदम से कदम मिलाकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान किया।

विशेष रूप से **श्री गणपति भंसाली** का आभार जिन्होंने कार्यक्रम में हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन किया।

प्रभु जगन्नाथ का महाप्रसाद वितरित

श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा द्वारा श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों के बीच प्रभु जगन्नाथ का महाप्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर लगभग १० हजार भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

प्रसाद वितरण के दौरान भक्तों के बीच महाप्रसाद स्वरूप मीठा चावल, शीतल पेयजल एवं फ्रूटी का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा के अध्यक्ष श्री बजरंग लाल अग्रवाल, श्री बबलू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री सन्नी संघी, श्री अशोक गुप्ता, श्री राजीव अग्रवाल, श्री नरेंद्र जैन, श्री मनोज अग्रवाल, श्री ओमप्रकाश रिंगसिया समेत शाखा के अनेक सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निःशुल्क होमियोपैथिक कैंप का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन **बेरमो शाखा** के द्वारा सम्मेलन के चिकित्सा शिविर प्रभारी-भवानी अग्रवाल की देख रेख में दिनांक **०१ जुलाई २०२६** को डॉक्टर दिवस के अवसर पर स्थानीय श्री अग्रसेन भवन फुसरो में निःशुल्क होमियोपैथिक कैंप का आयोजन स्वर्गीय सीताराम जी खेमका की पुण्यस्मृति में उनके परिवारजनों के सौजन्य से किया गया। जिसका उद्घाटन **श्री सुरेश खेमका** और **श्री राजू खेमका** के द्वारा डॉक्टर नाग को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। **डॉक्टर यू के नाग** के द्वारा ३४ मरीजों की जॉच कर निःशुल्क दवा दी गई।

इस अवसर पर श्री अग्रसेन स्मृति भवन के कोषाध्यक्ष **श्री प्रेम राज गोयल** मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री छीतरमल अग्रवाल**, संगठन मंत्री **श्री पवन अग्रवाल**, **श्री संजय अग्रवाल**, बेरमो बीस सूत्री उपाध्यक्ष सह सम्मेलन के बेरमो शाखा महामंत्री **श्री कृष्ण कुमार चांडक**, चिकित्सा शिविर प्रभारी **श्री भवानी अग्रवाल**, **श्री दयानंद बरनवाल**, **श्री उमेश सिंह**, आदि उपस्थित थे।

प्रतिभा सम्मान समावेश

१८ जुलाई २०२६ दिन शनिवार को श्री अग्रसेन भवन के प्रांगण में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल जी एवं महामंत्री श्री बिनोद जैन जी व अन्य प्रांतीय पदाधिकारियों का आगमन दुमका में हुआ।

जिला दुमका अध्यक्ष श्री हरि शंकर मोदी जी एवं अन्य सदस्यों ने सभी प्रांतीय पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ दे कर स्वागत किया। मंच संचालन दुमका वरीय सदस्या श्रीमती रिंकू मोदी जी ने किया। जिलाध्यक्ष श्री हरि शंकर मोदी जी ने स्वागत के रूप में अपने वक्तव्य रखे, श्रीमती रिंकू मोदी जी ने दुमका सदस्यों द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष को शॉल ओढ़ा कर एवं अन्य पदाधिकारियों को दुपट्टा ओढ़ा कर सम्मानीय किया गया तत्पश्चात प्रांतीय अध्यक्ष, प्रांतीय महामंत्री एवं प्रमंडलीय अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दुमका जिला महामंत्री श्री बिनोद सिंघानिया जी ने विगत वर्ष दुमका द्वारा किए गए कार्यों को प्रस्तुत किया।

माननीय प्रांतीय महामंत्री श्री बिनोद जैन जी ने एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश अग्रवाल जी ने दुमका जिला सम्मेलन परिवार द्वारा किए गए कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं उन्होंने खास कर अंकित किया कि संपूर्ण संथाल परगना तथा आस पास के सीमावर्ती जिलाओं में सबसे सक्रिय जिला दुमका जिला है।

कल ही प्राप्त दुमका की दो बेटियों द्वारा NEET की गरिमामय परीक्षा उत्तीर्ण होने उक्त बच्चियों को माननीय प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। दुमका के सदस्यों द्वारा सुझाओं एवं प्रश्नों का माननीय पदाधिकारियों ने अपने वक्तव्यों से सटीक समाधान किया।

धन्यवाद ज्ञापन पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र मेहारिया जी ने सांगठनिक दौरे पर दुमका पधारे माननीय प्रांतीय पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर **मद्यपान** करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

तृतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की तृतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक १९ जुलाई २०२६ को श्री दिगंबर जैन मंदिर, देवघर के सभागार में देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय पदाधिकारियों ने की तथा इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकारिणी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बैठक का शुभारंभ मंगलाचरण एवं स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने सभी आगंतुक प्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत किया तथा सम्मेलन की गतिविधियों एवं भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

बैठक में संगठन की प्रगति एवं भावी कार्ययोजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। विशेष रूप से सदस्यता विस्तार अभियान को और अधिक गति देने, प्रत्येक जिले एवं शाखा में नए सदस्यों को जोड़ने तथा संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने का निर्णय लिया गया।

इसके अतिरिक्त सम्मेलन के अंकेक्षित आय-व्यय विवरण पर विस्तार से चर्चा की गई। वित्तीय पारदर्शिता एवं सुशासन को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत विवरण का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक सुझावों के साथ उसे अनुमोदित किया गया।

बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय संविधान संशोधन भी रहा। वर्तमान समय की आवश्यकताओं एवं संगठन के प्रभावी संचालन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रस्तावों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक संशोधनों के संबंध में सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए।

बैठक के उपरांत मारवाड़ी समाज के २२ प्रतिष्ठित चिकित्सकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समाज एवं चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पण एवं मानवीय सेवा के लिए उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सक समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनका योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन को और अधिक सुदृढ़, सक्रिय एवं सेवा-समर्पित बनाने का संकल्प लिया। देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए गए उत्कृष्ट आतिथ्य एवं सफल आयोजन की सभी उपस्थितजनों ने मुक्त कंठ से सराहना की।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

सौजन्य भेंट

३० जून २०२६ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष एवं श्री अमर बंसल, महासचिव सीए जी. जी. अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष श्री सुरेश चौधरी के ओडिशा आगमन पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने स्वागत किया।

इस अवसर पर एमएमआई नारायणा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स के साथ सम्मेलन के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के लिए विशेष रियायती दरों पर उपचार सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रस्तावित एग्रीमेंट के प्रारूप पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। यह पहल समाज के सदस्यों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ एवं रियायती दरों पर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी।

सौजन्य भेंट

झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष माननीय **श्री बसंत मित्तल** के छत्तीसगढ़ आगमन पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया**, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष **श्री अमर बंसल**, महामंत्री सीए **जी. जी. अग्रवाल** तथा कोषाध्यक्ष **श्री सुरेश चौधरी** से सौजन्य भेंट हुई।

भेंट के दौरान समाजहित, संगठन की गतिविधियों तथा विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई। सभी ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती एवं जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

तत्पश्चात श्री बसंत मित्तल जी छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल के साथ छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री **श्री विष्णुदेव साय** जी के निवास पर सौजन्य भेंट हेतु पहुँचे। इस अवसर पर समाज एवं प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

रथयात्रा पर विशेष

श्री जगन्नाथ भगवान १५ दिनों तक बीमार रहते हैं

श्री जगन्नाथ भगवान १५ दिनों तक बीमार रहते है इसके पीछे का कारण ये है..? यह रहस्य जानकार होश उड़ जायेंगे आपके...अंत तक जरुर पढ़ें–

बुखार अपनी चपेट में सिर्फ हम इंसानों को ही नहीं लेता बल्कि भगवान को भी इसका कष्ट उठाना पड़ता है। साल में एक बार ही लेकिन इसका शिकार तो भगवान भी होते हैं। हां आपको जानकर आश्चर्य हुआ होगा लेकिन आपको बता दें की जगन्नाथस्वामी जो पूरी दुनिया को रोगों से मुक्ति दिलाते हैं वे स्वयं हर साल ज्येष्ठ मास की स्नान पूर्णिमा के दिन बीमार पड़ जाते हैं। वे भी अपने भक्तों की तरह बीमार होते हैं और उनका भी इलाज किया जाता है, उनको दवाई के रुप में काढ़ा देते हैं।

भगवान जगन्नाथ पूर्णिमा के दिन से १५ दिनों तक आराम करते हैं और अपने भक्तों को दर्शन नहीं देते। इसी कारण से भगवान जगन्नाथ के कपाट इन १५ दिनों तक बंद रहते हैं।

इस दौरान भगवान जगन्नाथ को फलों के रस, औषधि एवं दलिया का भोग लगाया जाता है। जब भगवान जगन्नाथ स्वस्थ्य हो जाते हैं तो वे अपने भक्तों से मिलने के लिए रथ पर सवार होकर आते हैं। जिसे जगप्रसिद्ध रथयात्रा कहा जाता है। यह रथयात्रा हर वर्ष आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकलती है। इस बार ये तिथि कल यानि २० जून २०२३ को है, रथयात्रा के बाद भगवान अपनी मौसी के घर जायेंगे, जहां वे भाई बहन ९ दिन रहेंगे और फिर अपने धाम वापस आयेंगे..

इसलिए बीमार होते हैं भगवान जगन्नाथ स्वामी, ये है इसके पीछे का कारण उड़ीसा प्रांत में जगन्नाथ पूरी में भगवान श्री जगन्नाथ के एक भक्त माधव दास जी रहते थे। माधव दास जी अकेले रहते थे आर भगवान का भजन किया करते थे। हर रोज़ श्री जगन्नाथ प्रभु के दर्शन करते थे और अपनी मस्ती में मस्त रहते थे। वे संसारिक जीवन से कोई मोह-माया नहीं थी ना वे किसी से कोई लेना-देना रखते थे। प्रभु माधव जी के साथ अनेक लीलाएं किया करते थे और चोरी करना भी सिखाते थे।

एक दिन अचानक माधव दास जी की तबीयत खराब हो गई उन्हें उल्टी-दस्त का रोग हो गया। वह बहुत ही कमज़ोर हो गए की उठने-बैठने में भी उन्हें समस्या होने लगी। माधव जी अपना कार्य स्वयं करते थे वे किसी से मदद नहीं लेते थे। जो व्यक्ति उनकी मदद के लिए आता था उनसे कहते थे की भगवान जगन्नाथ स्वयं उनकी रक्षा करेंगे। देखते ही देखते माधव जी की तबीयत इतनी खराब हो गई की वे अपना मल-मूत्र वस्त्रों में त्याग देते थे। तब स्वयं जगन्नाथ स्वामी सेवक के रूप में माधव जी के पास उनकी सेवा करने पहुंचे। माधव जी के गंदे वस्त्र भगवान जगन्नाथ अपने हाथों से साफ करते थे और उन्हें भी स्वच्छ करते थे उनकी संपूर्ण सेवा करते थे। जितनी सेवा भगवान जगन्नाथ करते थे शायद ही कोई व्यक्ति कर पाता। जब माधवदास जी स्वस्थ्य हुए और उन्हें होश आया तब भगवान जगन्नाथ जी को इतनी सेवा करते देख वे तुरंत पहचान गए की यह मेरे प्रभु ही हैं। एक दिन श्री माधवदास जी ने प्रभु से पूछा-- 'प्रभु! आप तो त्रिभुवन के मालिक हो, स्वामी हो, आप मेरी सेवा कर रहे हो। आप चाहते तो मेरा ये रोग भी तो दूर कर सकते थे, रोग दूर कर देते तो यह सब करना नहीं पड़ता।' तब जगन्नाथ स्वामी ने उन्हे कहा– 'देखो माधव! मुझसे भक्तों का कष्ट नहीं सहा जाता, इसी कारण तुम्हारी सेवा मैंने स्वयं की। जो प्रारब्ध होता है उसे तो भोगना ही पड़ता है। अगर उसको इस जन्म में नहीं काटोगे तो उसको भोगने के लिए फिर तुम्हें अगला जन्म लेना पड़ेगा और मैं नहीं चाहता की मेरे भक्त को जरा से प्रारब्ध के कारण अगला जन्म फिर लेना पड़े। इसीलिए मैंने तुम्हारी सेवा की लेकिन अगर फिर भी तुम कह रहे हो तो भक्त की बात भी नहीं टाल सकता। अब तुम्हारे प्रारब्ध में ये १५ दिन का रोग और बचा है, इसलिए १५ दिन का रोग तू मुझे दे दे।' १५ दिन का वो रोग जगन्नाथ प्रभु ने माधवदासजी से ले लिया। तब से भगवान जगन्नाथ इन १५ दिन बीमार रहते हैं तब से आज तक वर्षों से यह चलता आ रहा है। साल में एक बार जगन्नाथ भगवान को स्नान कराया जाता है। जिसे हम स्नान यात्रा कहते हैं। स्नान यात्रा करने के बाद हर साल १५ दिन के लिए जगन्नाथ भगवान आज भी बीमार पड़ते हैं और १५ दिनों के लिए मंदिर के कपाट बंद होते है।

रामायण प्रसंग

उर्मिला का चरित्र

रामायण क्या है??

अगर कभी पढ़ो और समझो तो आंसुओ पे काबू रखना ......

रामायण का एक छोटा सा वृतांत है, उसी से शायद कुछ समझा सकूँ...

एक रात की बात हैं, माता कौशल्या जी को सोते में अपने महल की छत पर किसी के चलने की आहट सुनाई दी। नींद खुल गई, पूछा कौन हैं?

मालूम पड़ा श्रुतकीर्ति जी (सबसे छोटी बहु, शत्रुघ्न जी की पत्नी) हैं।

माता कौशल्या जी ने उन्हे नीचे बुलाया।

श्रुतकीर्ति जी आई, चरणों में प्रणाम कर खड़ी रह गई।

माता कौशिल्या जी ने पूछा, श्रुति। इतनी रात को अकेली छत पर क्या कर रही हो बेटी?

क्या नींद नहीं आ रही?

शत्रुघ्न कहाँ है?

श्रुतिकीर्ति की आँखें भर आईं, माँ की छाती से चिपटी, गोद में सिमट गईं, बोलीं, माँ उन्हें तो देखे हुए तेरह वर्ष हो गए।

उफ!

कोशल्या जी का हृदय काँप कर झटपटा गया।

तुरंत आवाज लगाई, सेवक दौड़े आए।

आधी रात ही पालकी तैयार हुई, आज शत्रुघ्न जी की खोज होगी,

माँ चली।

आपको मालूम है शत्रुघ्न जी कहाँ मिले?

अयोध्या के जिस दरवाजे के बाहर भरत जी नंदिग्राम में तपस्वी होकर रहते हैं, उसी दरवाजे के भीतर एक पत्थर की शिला हैं, उसी शिला पर, अपनी बाँह का तकिया बनाकर लेटे मिले!!

माँ सिराहने बैठ गईं, बालों में हाथ फिराया तो शत्रुघ्न जी ने आँखें खोलीं,

माँ!

उठे, चरणों में गिरे, माँ! आपने क्यों कष्ट किया?

मुझे बुलवा लिया होता।

माँ ने कहा,

शत्रुघ्न! यहाँ क्यों?"

शत्रुघ्न जी की रुलाई फूट पड़ी, बोले-माँ! भैया राम जी पिताजी की आज्ञा से वन चले गए,

भैया लक्ष्मण जी उनके पीछे चले गए, भैया भरत जी भी नंदिग्राम में हैं, क्या ये महल, ये रथ, ये राजसी वस्त्र, विधाता ने मेरे ही लिए बनाए हैं?

माता कौशल्या जी निरुत्तर रह गईं।

देखो क्या है ये रामकथा...

यह भोग की नहीं...त्याग की कथा हैं..!!

यहाँ त्याग की ही प्रतियोगिता चल रही हैं और सभी प्रथम हैं, कोई पीछे नहीं रहा...चारो भाइयों का प्रेम और त्याग एक दूसरे के प्रति अद्भुत-अभिनव और अलौकिक हैं।

"रामायण" जीवन जीने की सहसे उत्तम शिक्षा देती हैं।

भगवान राम को १४ वर्ष का वनवास हुआ तो उनकी पत्नी सीता माईया ने भी सहर्ष वनवास स्वीकार कर लिया..!!

परन्तु बचपन से ही बड़े भाई की सेवा में रहने वाले लक्ष्मण जी कैसे राम जी से दूर हो जाते!

माता सुमित्रा से तो उन्होंने आज्ञा ले ली थी, वन जाने की..

परन्तु जब पत्नी "उर्मिला" के कक्ष की ओर बढ़ रहे थे तो सोच रहे थे कि माँ ने तो आज्ञा दे दी,

परन्तु उर्मिला को कैसे समझाऊंगा??

क्या बोलूँगा उनसे?

यही सोच विचार करके लक्ष्मण जी जैसे ही अपने कक्ष में पहुंचे तो देखा कि उर्मिला जी आरती का थाल लेके खड़ी थीं और बोलीं-

"आप मेरी चिंता छोड़ प्रभु श्रीराम की सेवा में वन को जाओ...मैं आपको नहीं रोकूँगीं। मेरे कारण आपकी सेवा में कोई बाधा न आये, इसलिये साथ जाने की जिद्द भी नहीं करूंगी।"

लक्ष्मण जी को कहने में संकोच हो रहा था!!

परन्तु उनके कुछ कहने से पहले ही उर्मिला जी ने उन्हें संकोच से बाहर निकाल दिया..!!

वास्तव में यहीं पत्नी का धर्म है..पति संकोच में पड़े, उससे पहले ही पत्नी उसके मन की बात जानकर उसे संकोच से बाहर कर दे!!

लक्ष्मण जी चले गये परन्तु १४ वर्ष तक उर्मिला ने एक तपस्विनी की भांति कठोर तप किया!!

वन में "प्रभु श्री राम माता सीता" की सेवा में लक्ष्मण जी कभी सोये नहीं, परन्तु उर्मिला ने भी अपने महलों के द्वार कभी बंद नहीं किये और सारी रात जाग जागकर उस दीपक की लौ को बुझने नहीं दिया!!

मेघनाथ से युद्ध करते हुए जब लक्ष्मण जी को "शक्ति" लग जाती है और हनुमान जी उनके लिये संजीवनी का पर्वत लेके लौट रहे होते हैं, तो बीच में जब हनुमान जी अयोद्धा के ऊपर से गुजर रहे थे तो भरत जी उन्हें राक्षस समझकर बाण मारते हैं और हनुमान जी गिर जाते हैं!!

तब हनुमान जी सारा वृत्तांत सुनाते हैं कि, सीता जी को रावण हर ले गया, लक्ष्मण जी युद्ध में मूर्छित हो गए हैं।

यह सुनते ही कौशल्या जी कहती हैं कि राम को कहना कि "लक्ष्मण" के बिना अयोध्या में पैर भी मत रखना। राम वन में ही रहे!!

माता "सुमित्रा" कहती हैं कि राम से कहना कि कोई बात नहीं..अभी शत्रुघ्न है!!

मैं उसे भेज दूंगी..मेरे दोनों पुत्र "राम सेवा" के लिये ही तो जन्मे हैं!!

माताओं का प्रेम देखकर हनुमान जी की आँखों से अश्रुधारा बह रही था। परन्तु जब उन्होंने उर्मिला जी को देखा तो सोचने लगे कि, यह क्यों एकदम शांत और प्रसन्न खड़ी हैं?

क्या इन्हें अपनी पति के प्राणों की कोई चिंता नहीं?

हनुमान जी पूछते हैं- देवी!

आपकी प्रसन्नता का कारण क्या है? आपके पति के प्राण संकट में हैं...सूर्य उदित होते ही सूर्य कुल का दीपक बुझ जायेगा।

उर्मिला जी का उत्तर सुनकर तीनों लोकों का कोई भी प्राणी उनकी वंदना किये बिना नहीं रह पाएगा!!

उर्मिला बोलीं-"

मेरा दीपक संकट में नहीं है, वो बुझ ही नहीं सकता!!

रही सूर्योदय की बात तो आप चाहें तो कुछ दिन अयोध्या में विश्राम कर लीजिये, क्योंकि आपके वहां पहुंचे बिना सूर्य उदित हो ही नहीं सकता!!

आपने कहा कि, प्रभु श्रीराम मेरे पति को अपनी गोद में लेकर बैठे हैं..!

जो "योगेश्वर प्रभु श्री राम" की गोदी में लेटा हो, काल उसे छू भी नहीं सकता..!!

यह तो वो दोनों लीला कर रहे हैं..

मेरे पति जब से वन गये हैं, तबसे सोये नहीं हैं..

उन्होंने न सोने का प्रण लिया था..इसलिए वे थोड़ी देर विश्राम कर रहे हैं..और जब भगवान की गोद मिल गयी तो थोड़ा विश्राम ज्यादा हो गया..वे उठ जायेंगे..!!

और "शक्ति" मेरे पति को लगी ही नहीं, शक्ति तो प्रभु श्री राम जी को लगी है!!

मेरे पति की हर श्वास में राम हैं, हर धरकन में राम, उनके रोम-रोम में राम हैं, उनके खून की बूंद बूंद में राम हैं, और जब उनके शरीर और आत्मा में ही सिर्फ राम हैं, तो शक्ति राम जी को ही लगी, दर्द राम जी को ही हो रहा!!

इसलिये हनुमान जी आप निश्चिन्त होके जाएँ..सूर्य उदित नहीं होगा।"

श्रीमदभगवद् गीता से प्रेरणा

श्रीमद्भगवद्गीता से प्रेरित एक जीवन बदल देने वाली कहानी...

रवि एक मध्यम वर्गीय परिवार का इकलौता बेटा था।

उसके पिता एक सरकारी स्कूल में अध्यापक थे, और माँ एक घरेलू महिला।

जब रवि दस साल का था, उसके पिता की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

उस दिन से उसके जीवन में अंधेरा उतर आया था।

माँ ने सिलाई का काम शुरू किया, और रवि को पढ़ाई में जोड़े रखा। रवि समझ गया था कि अब उसके कंधों पर न केवल अपनी ज़िंदगी, बल्कि माँ की उम्मीदों का भी भार है।

वह बचपन से ही पढ़ाई में होशियार था। उसने ठान लिया था कि वह बड़ा होकर एक दिन अफसर बनेगा- एक ऐसा बेटा जो माँ के सारे दुःख मिटा सके। स्कूल खत्म हुआ, कॉलेज भी किसी तरह पूरा किया गया, और फिर उसने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी।

रवि सुबह चार बजे उठता, मंदिर में जाकर दीप जलाता- और फिर किताबों में डूब जाता। उसे केवल एक चीज़ दिखाई देती थी- सफलता। पर पहली बार में असफल हुआ। माँ ने कहा, "कोई बात नहीं बेटा, भगवान पर भरोसा रखो।" वह फिर जुट गया। पर दूसरी बार भी नतीजा वही निकला।

अब रिश्तेदारों ने ताने मारना शुरू कर दिए। कोई कहता- "इससे नहीं होगा", कोई हँसते हुए कहता- "इसे नौकरी नहीं, नींद चाहिए।" रवि अब खुद से भी नज़रें नहीं मिला पाता था। माँ हर रोज़ उसके लिए चुपचाप चाय बनाती, सिर पर हाथ फेरती, लेकिन वो स्नेह अब रवि के लिए बोझ लगने लगा था।

तीसरी बार जब उसका चयन फिर नहीं हुआ, तो रवि पूरी तरह टूट गया। उसने कमरे में खुद को बंद कर लिया। फोन बंद कर दिया। दोस्तों से बात बंद कर दी। खाना पीना छोड़ दिया। एक रात वह छत पर गया और रेलिंग के किनारे खड़ा होकर खुद से बोला: "अब और नहीं होता। बस, अब खत्म कर दूँ सबकुछ।"

तभी पीछे से माँ की धीमी लेकिन सधी हुई आवाज़ आई- "रुक जा बेटा..." रवि पलटा, उसकी आँखें आँसुओं से भरी थीं। माँ ने चुपचाप एक पुरानी किताब उसके हाथ में रखी- और बोली: "ये तेरे पापा की गीता है। आज इसे एक बार पढ़ ले, फिर जो मन करे कर लेना।"

रवि ने अनमने भाव से गीता के पन्ने पलटे। पहले पन्ने पर लिखा था:

"जब मनुष्य मोह में फँस जाता है, तब वह अपने कर्तव्यों को भूल जाता है।"

फिर उसकी नज़र इस पंक्ति पर गई:

"हे अर्जुन तू अपने कर्म को कर, फल की चिंता मत कर।"

वो ठिठक गया। पहली बार उसे लगा जैसे ये शब्द किसी किताब के नहीं, उसके अपने जीवन के लिए लिखे गए हों। उसने पन्ने पलटे- हर पंक्ति जैसे उसके घावों पर मरहम बनकर उतर रही थी।

"आत्मा न जन्म लेती है, न मरती है। जो कुछ तू खो चुका है, शायद वो कभी तेरा था ही नहीं। और जो कुछ तेरा है, वो कभी तुझसे छिनेगा नहीं।"

रवि पूरी रात गीता पढ़ता रहा। उस रात पहली बार उसने अपने भीतर एक शांति महसूस की। उसे समझ आया कि वह अब तक केवल सफलता के पीछे भाग रहा था, लेकिन जीवन तो "कर्तव्य" निभाने का नाम है। परिणाम तो बस ईश्वर की इच्छा है।

अगली सुबह रवि उठा। उसने माँ के चरण छुए और मुस्कराकर बोला: "अब मैं फिर से लड़ूंगा, लेकिन इस बार हारने से नहीं डरूंगा। क्योंकि अब मुझे खुद पर नहीं, भगवान के न्याय पर भरोसा है।"

वह फिर से पढ़ने बैठ गया- लेकिन इस बार उसकी आँखों में केवल लक्ष्य नहीं, धैर्य था। मन में केवल जिद नहीं, समर्पण था। और दिल में केवल डर नहीं, गीता का ज्ञान था।

छह महीने बाद रिजल्ट आया। इस बार वह सफल हुआ था। माँ की आँखों से आँसू बह रहे थे, लेकिन वो आँसू दुःख के नहीं, ईश्वर के प्रति आभार के थे।

रवि ने गीता को माथे से लगाया और खुद से कहा:

"अगर माँ ने उस रात मुझे गीता न दी होती, तो शायद मैं आज इस धरती पर नहीं होता। लेकिन गीता ने न केवल मेरी जान बचाई, बल्कि मेरी सोच बदल दी। अब मैं हर काम करता हूँ, लेकिन फल की चिंता ईश्वर पर छोड़ देता हूँ।"

सारांश (Summary)

यह कहानी एक ऐसे युवक की है जो बार-बार की असफलताओं से टूट चुका था। जीवन में निराशा और आत्महत्या जैसे ख्याल उसे घेर चुके थे। लेकिन श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान ने न केवल उसे बचाया, बल्कि उसकी सोच, आत्मा और कर्म का मार्ग भी बदल दिया।

यह कहानी हमें सिखाती है- कि जब हम जीवन की लड़ाई में हारने लगते हैं, तब गीता हमें फिर से खड़ा कर देती है।

"गीता केवल एक पुस्तक नहीं है, यह आत्मा का भोजन है- जो मरते हुए मन को फिर से जीवन देती है।"

आप सभी का दिन शुभ हो.. ओम शांति

- ब्रह्मा कुमारी जी (मधुबन)

GAMCO

LET'S GROW

(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders

Multi-Asset Investments	Capital Market Investments	Real Estate
Warehousuing	Structured Finaring & Secured Lending	Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED

25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

नवीन कार्यालय का शुभारंभ

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, **गुवाहाटी महिला शाखा** का आठगांव स्थित वृंदावन मार्केट में नवीन कार्यालय का शुभारंभ प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश काबरा** के करकमलों द्वारा विधिवत फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के पश्चात भगवान श्री गणेश जी की आरती एवं मंगल प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

शाखा अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने सभी अतिथियों एवं प्रांतीय पदाधिकारियों का पारंपरिक गुलाम गमछा एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राज चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम का सफल संयोजन **रेखा गोयल**, **रश्मि जैन** एवं **लिजी कुंडलिया** ने किया। शाखा की सलाहकार **सरला काबरा**, **सरोज मित्तल**, **वंदना सोमानी**, **इंद्रा जिंदल** एवं **शारदा केड़िया** का मार्गदर्शन कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण रहा।

कार्यक्रम में प्रांतीय कोषाध्यक्ष **शांति कुंडलिया**, कामरूप शाखा के अध्यक्ष **अजीत शर्मा**, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष **दीपक पोद्दार**, मेट्रो शाखा के अध्यक्ष **गौतम गोयंका**, गुवाहाटी शाखा के मंत्री **सूरज सिंघानिया**, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) **विनोद कुमार लोहिया**, प्रांतीय महामंत्री **रमेश कुमार चांडक** तथा मंडल उपाध्यक्ष सुशील गोयल सहित अनेक गणमान्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

गुवाहाटी की चारों शाखाओं के प्रतिनिधियों ने महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा एवं उनकी पूरी टीम का अभिनंदन करते हुए नवीन कार्यालय के शुभारंभ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

वाटर प्यूरीफायर स्थापित

मारवाड़ी सम्मेलन **कामरूप शाखा** समाज सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के अपने संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाते हुए गोपीनाथ नगर प्राथमिक विद्यालय (कैंसर अस्पताल के समीप) में एक आधुनिक **वाटर प्यूरीफायर** (जल शोधक) स्थापित किया है। यह वाटर प्यूरीफायर शाखा की कार्यकारिणी के सदस्य सीए श्री रतन कुमार अगरवाला एवं उनके परिवार द्वारा अपने पूज्य माता-पिता स्वर्गीय लक्ष्मी देवी अगरवाला तथा स्वर्गीय जुगल किशोर अगरवाला की पावन स्मृति में समर्पित किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री अजीत शर्मा ने कहा कि जनकल्याण के क्षेत्र में ऐसे कार्य भविष्य में भी जारी रहेंगे।

सेवा शिविर

शक्ति उपासना के महापर्व **अम्बुबाची मेले** के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन **गुवाहाटी महिला शाखा** एवं **गुवाहाटी मेट्रो शाखा** द्वारा **२२ जून २०२६** को माँ कामाख्या धाम में श्रद्धालुओं की सेवा हेतु विशेष सेवा शिविरों का शुभारंभ किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्ष **श्रीमती संतोष शर्मा** के नेतृत्व में लगातार तीसरे वर्ष आयोजित सेवा शिविर **'हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा'** के अंतर्गत महिला शाखा की सदस्यों ने श्रद्धालुओं की सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर सेवा अभियान से जुड़े सभी सदस्यों का पुष्पमाला एवं पारंपरिक असमिया गामोसा से सम्मान किया गया। सेवा कार्यों में कोषाध्यक्ष **श्रीमती शांति कुंडलिया**, उपाध्यक्ष **श्रीमती रेखा गोयल**, सलाहकार **श्रीमती इंदिरा जिंदल**, **ज्योति शर्मा**, **मीनू दूधेड़िया**, **पिंकी जैन**, **गुलाब दुगड़**, **अनीशा अग्रवाल** एवं **ममता शर्मा** का विशेष सहयोग रहा।

वहीं, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी मेट्रो शाखा द्वारा माँ कामाख्या धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भव्य सेवा शिविर स्थापित किया गया। शाखा के कार्यवाही अध्यक्ष **श्री गौतम गोयनका** की अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन समारोह में प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश काबरा**, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) **श्री विनोद कुमार लोहिया** एवं प्रांतीय संगठन मंत्री **श्री मनोज काला** विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने सेवा शिविर का उद्घाटन कर शाखा की सेवा भावना की सराहना की। शिविर के संयोजक **श्री पीयूष गनेरीवाल**, **श्री हरीश अग्रवाल** एवं **श्री राजेश गुप्त** के नेतृत्व में श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क छाता वितरण सहित विभिन्न सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। श्री गौतम गोयनका ने कहा कि सेवा शिविर का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सहज, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना है।

उद्घाटन समारोह में सीए **तुषार मोर**, **श्री अमित शर्मा**, **श्री विकास अग्रवाल**, **श्री सुदर्शन गरोड़िया**, **श्री अंकुर सिंघी**, **श्री बिनीत अग्रवाल**, **श्री रितेश अग्रवाल**, **श्री प्रतीक अग्रवाल**, **श्री मुकेश भंडारी**, **श्री राजेश मित्तल**, **श्री विनोद कुमार मोर**, **श्री अजीत दस्सानी** एवं **श्री अभिषेक** सुरेखा सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित थे।

२४ शाखाओं में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

१२वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की विभिन्न शाखाओं द्वारा २१ जून २०२६ को योग शिविर, सामूहिक योगाभ्यास एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का व्यापक आयोजन किया गया।

प्रदेशाध्यक्ष **श्री कैलाश काबरा** ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है और स्वस्थ, संतुलित एवं अनुशासित जीवन का आधार है। उन्होंने सभी शाखाओं द्वारा किए गए सफल आयोजन की सराहना करते हुए समाज से नियमित योग अपनाने का आह्वान किया।

योग दिवस के अवसर पर सम्मेलन की **कामरूप, गुवाहाटी, जोरहाट, धुबड़ी, शिवसागर, डिब्रूगढ़, मोरानहाट, नगांव, नगांव महिला शाखा, धेमाजी, धेमाजी महिला शाखा, तिनसुकिया, सिलापथार महिला शाखा, बिजनी महिला शाखा, सरूपथार, सरूपथार महिला शाखा, बरपेटा रोड महिला शाखा, बंगाईगांव महिला शाखा, कलीयाबोर, ढेकियाजुली, बिलासिपारा, सिलचर महिला शाखा** तथा **दापोरिजो शाखा** में उत्साहपूर्वक योग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर

२७ जून २०२६ को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी मेट्रो शाखा ने अपने प्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर समाजसेवा के संकल्प को साकार करते हुए नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया। सेवा शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने अपने नेत्रों की जांच कराई तथा आवश्यकता के अनुसार नि:शुल्क चश्मों का लाभ प्राप्त किया। शाखा के अध्यक्ष **श्री अमित कुमार कंसल** ने बताया कि शाखा का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना तथा सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करना है। अपने प्रथम स्थापना दिवस पर शाखा ने बीते एक वर्ष की उपलब्धियों को भी साझा किया।

प्रतिभा सम्मान समारोह

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बरपेटा रोड शाखा एवं महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में सुपार्श्वमति भवन में १८ जून २०२६ को **'प्रतिभा सम्मान समारोह'** आयोजित कर विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले २९ मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को मोमेंटो, प्रशस्ति-पत्र एवं फुलाम गामोछा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन अध्यक्ष **श्री संजय घिड़िया** एवं महिला शाखा अध्यक्ष **श्रीमती सुमित्रा जैन** की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रोफेसर **निर्मल जैन** तथा मुख्य वक्ता प्रो. **प्रवीण माहेश्वरी** ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सामाजिक मूल्यों एवं पारिवारिक समन्वय के महत्व पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महिला शाखा की सदस्यों **श्रीमती सोनिया जाजोदिया**, **श्रीमती अल्का मोर**, **श्रीमती सोनल गौरिसरिया** एवं **श्रीमती रितु चौधरी** द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। मंच पर **श्रीमती स्मिता धीरासरिया, श्री कैलाश प्रसाद सराफ, श्री भैरू कुमार शर्मा, श्री मनोज बैद, प्रो. जवाहरलाल नाहटा, श्री कमल खेमका** एवं **श्रीमती कुसुम बंग** भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में **श्री संजय जाजोदिया, श्री रवि प्रकाश अग्रवाल, श्रीमती ममता अग्रवाल, श्रीमती कविता खेमका** सहित दोनों शाखाओं के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

भोजन वितरण

बंगाईगांव महिला शाखा द्वारा **२७ जून २०२६** को पगलास्थान जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन वितरण कर सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

महिला शाखा की अध्यक्ष **श्रीमती मंजू दुगड़** के नेतृत्व में आयोजित इस सेवा कार्य में **श्रीमती सरिता बैद, श्रीमती अर्चना सुरेखा, श्रीमती तारा पारीक, श्रीमती नीतू भतेरा, श्रीमती संजू भंसाली** एवं **श्रीमती सोनू बैद** ने सक्रिय सहभागिता निभाई और सेवा कार्य को सफल बनाया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष **श्री राजेन्द्र हरलालका**, मारवाड़ी सम्मेलन बंगाईगांव शाखा की कार्यकारिणी के सदस्य **श्री महेश अग्रवाल** एवं **श्री मुकेश दुगड़** भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राजेन्द्र हरलालका ने कहा कि जरूरतमंद लोगों को भोजन कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। श्री हरलालका ने महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती मंजू दुगड़ को उनकी वैवाहिक वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। श्री महेश अग्रवाल ने भी महिला शाखा के इस सेवा अभियान की सराहना करते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

निर्जला एकादशी पर सेवा-साधना

२५ जून २०२६ को **निर्जला एकादशी** के पावन अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की विभिन्न शाखाओं एवं महिला शाखाओं ने असम के कई नगरों में सेवा, दान और जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित किए। **शुद्ध पेयजल**, **शरबत वितरण**, जरूरतमंदों की सहायता तथा मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाजसेवा का संदेश दिया गया।

गोहपुर-बिहाली शाखा ने हरे कृष्ण मंदिर परिसर में **'निर्मल धारा प्रकल्प'** का शुभारम्भ किया, जिसका उद्घाटन प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश काबरा** ने किया। इस प्रकल्प से श्रद्धालुओं एवं स्थानीय ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा।

होजाई महिला शाखा ने राहगीरों को शीतल शरबत एवं पेयजल वितरित किया तथा जरूरतमंद महिलाओं एवं मजदूरों को छाते एवं पानी की बाल्टियां प्रदान कीं।

लामडिंग शाखा ने सनातन धर्म मंदिर के समक्ष **शरबत एवं पेयजल वितरण** के साथ चार मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर शिक्षा के प्रति प्रेरणा का संदेश दिया।

शिवसागर शाखा ने स्टेशन चाराली पुलिस प्वाइंट के समीप राहगीरों के लिए शीतल जल एवं आम पन्ना वितरण किया। शाखा अध्यक्ष **श्री प्रदीप कुमार खेमका** ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन, ढेकियाजुली शाखा द्वारा १४ जुलाई २०२६ को ठेलामारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक मेगा निःशुल्क **स्वास्थ्य शिविर** का आयोजन किया गया। शिविर में ठेलामारा एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मारवाड़ी पंचायत, ढेकियाजुली के पूर्व अध्यक्ष श्री महाबीर सेठिया ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर श्री जाने आलम (ACS, CDC), श्री निलेश अग्रवाल (प्रांतीय उपाध्यक्ष, मंडल-एफ, पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन), श्री राजीव जैन (प्रांतीय संयुक्त सचिव, मंडल-एफ), डॉ. बिस्वजीत हजारिका (SDMO, बिहागुरी BPHC), श्री अजय शर्मा (प्राचार्य, ठेलामारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय), श्री बिजेन सरकार (प्राचार्य, रवीन्द्र विद्या भवन), श्री राजकुमार अग्रवाल (अध्यक्ष, मारवाड़ी पंचायत, ढेकियाजुली), श्री धरांचंद पांडिया (पूर्व उपाध्यक्ष, मारवाड़ी पंचायत), श्री आकाश पाटोदिया (अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच, ढेकियाजुली शिखर शाखा), श्री नेमीचंद शर्मा (सचिव, मारवाड़ी युवा मंच, ढेकियाजुली शिखर शाखा) सहित अनेक गणमान्य नागरिक, सम्मेलन के सदस्य एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर में तेजपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बिहागुरी BPHC तथा स्वास्थ्य विभाग के ३७ विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

जोरहाट स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर

जोरहाट जिले के ४३वें स्थापना दिवस के अवसर पर १ जुलाई २०२६ को जिला प्रशासन के तत्वावधान में टियोक स्थित एफआरयू परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल ३५ यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जिसमें मारवाड़ी सम्मेलन, टियोक शाखा ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन, टियोक शाखा के सचिव श्री बीजू कुमार तूनवाल ने रक्तदान को मानवता की महान सेवा बताते हुए युवाओं से नियमित रक्तदान एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। टियोक प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री बीजू कुमार सोनवाल ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। समाजसेवी श्री दिगंता हजारिका एवं डॉ. भास्कर शइकिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आयोजकों ने मारवाड़ी सम्मेलन, टियोक शाखा, टियोक प्रेस क्लब, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनसेवा एवं रक्तदान अभियानों में सहयोग जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी का अभिनंदन, श्री रतन शर्मा का सम्मान

राजस्थान फाउंडेशन नॉर्थ ईस्ट चैप्टर के तत्वावधान में परशुराम सेवा सदन, गुवाहाटी में ५ जुलाई २०२६ को आयोजित भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह में राजस्थान विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान फाउंडेशन पूर्वोत्तर के अध्यक्ष श्री रतन शर्मा, सचिव श्री शंकर बिड़ला तथा कार्यक्रम संयोजक श्री दिनेश पारीक मंचासीन रहे।

इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज जैन 'काला', प्रांतीय संयोजक श्री बजरंग सुराणा, श्री दिनेश पारीक, प्रांतीय सलाहकार श्री रतन शर्मा तथा प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री ताराचंद ढोलिया ने किया। इसके अतिरिक्त सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा की ओर से श्री सूरज सिंघानिया, श्री शंकर बिड़ला, कामरूप शाखा की ओर से अध्यक्ष श्री अजीत शर्मा, श्री बजरंग बैद, श्री संपत मिश्र, गुवाहाटी महिला शाखा की ओर से अध्यक्षा श्रीमती संतोष शर्मा, श्रीमती रश्मि जैन, श्रीमती प्रज्ञा शर्मा, श्रीमती प्रेमलता सिंघानिया, श्रीमती बीना चौड़रिया, श्रीमती संगीता बड़जात्या एवं गुवाहाटी मेट्रो शाखा के सदस्यों ने भी अपनी-अपनी ओर से उनका अभिनंदन किया।

समारोह के दौरान पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा अपने प्रांतीय सलाहकार श्री रतन शर्मा का भी विशेष सम्मान किया गया। उन्हें असम की सांस्कृतिक पहचान फूलाम गामोछा ओढ़ाकर अभिनंदित किया गया। यह सम्मान हाल ही में राजस्थान सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'भामाशाह सम्मान' से सम्मानित किए जाने तथा अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक पद पर मनोनीत होने के उपलक्ष्य में प्रदान किया गया। सम्मेलन के पदाधिकारियों ने कहा कि श्री रतन शर्मा की उपलब्धियाँ पूर्वोत्तर के प्रवासी राजस्थानी समाज एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार के लिए गर्व का विषय हैं।

केंद्रीय एवं राज्य मंत्री से मिले प्रांतीय सम्मेलन के प्रतिनिधि

जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री श्री जुअल ओराम एवं राज्य मंत्री डॉ. रनोज पेगु से पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं माहेश्वरी सभा, गुवाहाटी के प्रतिनिधियों ने ३० जुन २०२६ को गुवाहाटी में वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्वोत्तर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री बासु दमानी के निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने दोनों मंत्रियों का पारंपरिक असमिया सम्मान के साथ अभिनंदन किया।

बैठक में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक, माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री श्री नारायण गट्टानी, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्वंचल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री महावीर चांडक, निवर्तमान कोषाध्यक्ष श्री जितेन्द्र चित्तलांगिया, श्री सुभाष दमानी सहित समाज के अनेक गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान शिक्षा, जनजातीय कल्याण, सामाजिक सरोकार, संगठनात्मक गतिविधियों तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

कोकराझार और बिलासीपाड़ा शाखा का सांगठनिक दौरा

मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र हरलालका एवं मंडल (के) के मंडलीय उपाध्यक्ष श्री किशन लाल नाहटा ने २ जुलाई को कोकराझार एवं बिलासीपाड़ा का दौरा कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की।

कोकराझार में श्री किशन लाल नाहटा के निवास पर संक्षिप्त प्रवास के पश्चात दोनों पदाधिकारी बिलासीपाड़ा पहुँचे, जहाँ शाखा अध्यक्ष श्री रमेश पारीक के निवास पर बिलासीपाड़ा शाखा एवं महिला शाखा के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, भावी कार्ययोजना तथा समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में शाखा के कोषाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम पारीक सहित सात पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में महिला शाखा की सक्रिय भूमिका, भारतीय एवं स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण, पर्व-त्योहारों के सामूहिक आयोजन तथा समाज की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही वर्षभर वृक्षारोपण, सम्मान समारोह, जनसेवा एवं स्थानीय सांस्कृतिक आयोजनों जैसे शिल्पी दिवस, लाचित दिवस और बिहू में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का सुझाव दिया गया।

पेशेवर डिग्री धारक का सम्मान

मारवाड़ी सम्मेलन, सिलचर शाखा एवं मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, सिलचर द्वारा सत्र २०२५-२६ के अंतर्गत १ जुलाई २०२६ को 'प्रोफेशनल डिग्री होल्डर्स सम्मान' अभियान का शुभारंभ मनोरंजन कॉम्प्लेक्स, सदरघाट, सिलचर में गरिमामय वातावरण में किया गया। अभियान की प्रथम कड़ी में डॉ. भावना बरड़िया (पीएच.डी.), सुपुत्री श्री जय कुमार बरड़िया एवं धर्मपत्नी श्री पवन दूधेरिया (गुवाहाटी) को उनकी उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।

इसी श्रृंखला के अंतर्गत दूसरे सम्मान समारोह में डॉ. मुस्कान गंग (एमबीबीएस), सुपुत्री श्री सुशील कुमार गंग, को प्रोफेशनल डिग्री प्राप्त करने पर उत्तरीय, स्मृति-चिह्न एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री मूलचंद बेद, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री पवन जैन, शाखा अध्यक्ष श्री जय कुमार बरड़िया, मंत्री श्री प्रकाश चंद सुराना, मारवाड़ी सम्मेलन एवं महिला शाखा के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य तथा समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'आनंद सबके लिए'

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की सेवा गतिविधि 'आनंद सबके लिए' अभियान के अंतर्गत २ जुलाई को जरूरतमंद बच्चों को पौष्टिक भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर बच्चों के साथ आत्मीयता एवं स्नेहपूर्ण वातावरण में भोजन सेवा की गई।

उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के प्रति संवेदनशीलता और सेवा-भाव ही ऐसे अभियानों की मूल प्रेरणा है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा गोयल, कार्यकारी सदस्य श्रीमती मीनू दुधोड़िया, श्रीमती पिंकी जैन, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती संतोष धानुका तथा श्रीमती गुलाब दुगड़ की सक्रिय एवं सराहनीय उपस्थिति रही।

चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे पर विभिन्न शाखाओं ने चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान किया।

शिवसागर शाखा ने डॉ. अंकुश केड़िया, डॉ. प्रांजल बोरा, डॉ. सत्यभामा बुरागोहेन, डॉ. अजय बाकाल एवं डॉ. नेहा गोयनका केड़िया का फुलाम गामोसा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार खेमका, सचिव श्री आनंद प्रकाश केड़िया, श्री रूपचंद करनानी, श्री विजय कुमार चितलांगिया, श्री विनोद कुमार झुरिया एवं श्री पवन कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

टियोक शाखा ने असम साहित्य सभा, टियोक शाखा के सहयोग से क्षेत्र के चिकित्सकों का उनके आवास एवं कार्यस्थलों पर जाकर सम्मान-पत्र एवं पुस्तक भेंट कर अभिनंदन किया।

नगांव शाखा ने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अमर चंद सुराणा एवं वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री सत्य नारायण रुठिया का फुलाम गामोसा एवं स्मृति-उपहार से सम्मान किया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष श्री प्रमोद कोठारी, उपाध्यक्ष श्री जगदीश धूत एवं श्री हुलास मल बोथरा, सचिव श्री विजय राज किल्ला तथा संगठन मंत्री श्री दिलीप सौभासरिया उपस्थित रहे।

फकीराग्राम महिला शाखा ने वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रदीप कुमार दास को फुलाम गामोसा, प्रशस्ति-पत्र एवं मिठाई भेंट कर सम्मानित किया।

गुवाहाटी में आयोजित समारोह में डॉ. मून रुद्र पॉल, डॉ. राहुल दमानी, डॉ. ऋतिक दमानी, सीए श्रीमती योगिता दमानी एवं सीए श्री राज कुमार सराफ का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंडल सीए के श्री माणिक लाल दमानी ने चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ७१ शाखाओं से आये लगभग ३०० प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया तथा संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं सामाजिक विकास की योजनाओं पर व्यापक मंथन किया। बैठक में वर्ष २०२६-२८ के लिए संगठन के विजन, सेवा प्रकल्पों, सदस्यता विस्तार अभियान, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं संगठन को सशक्त बनाने संबंधी विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। मां मानिकेश्वरी यूनिवर्सिटी, कालाहांडी के कुलपति **डॉ. पवन कुमार अग्रवाल** मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर महामंत्री **श्री किशन लाल अग्रवाल**, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष **डॉ. गोविंद अग्रवाल**, उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, कोषाध्यक्ष **श्री नरेंद्र जैन**, वरिष्ठ सदस्य **श्री रमेश जैन**, जूनागढ़ शाखा अध्यक्ष **श्री राजेश अग्रवाल** मंचासीन थे। महिला मंडल, युवा मंच तथा विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कोषाध्यक्ष **सीए नरेंद्र जैन** ने संगठन की वित्तीय स्थिति एवं आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली शाखाओं एवं कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही ओपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली प्रतिभावान छात्राओं का अभिनंदन कर उन्हें सम्मान प्रदान किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र अग्रवाल ने कहा कि सम्मेलन समाजसेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं युवा सशक्तीकरण के क्षेत्र में नयी योजनाओं के साथ आगे बढ़ेगा। निवर्तमान अध्यक्ष **श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** ने मातृशक्ति एवं युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताया। जूनागढ़ शाखा के आतिथ्य में आयोजित इस बैठक की व्यवस्थाओं की सभी प्रतिनिधियों ने सराहना की।

भूवनेश्वर शाखा की गतिविधियाँ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सममेलन की **भुवनेश्वर शाखा**, जिसका पुनर्गठन **१७ मई २०२६** को हुआ था, ने अपने प्रथम एक माह में सेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किया।

भीषण गर्मी के दौरान शाखा द्वारा लगातार आठ दिनों तक प्रतिदिन लगभग १,५०० से २,००० लोगों को दही लस्सी, आमरस, रोज़ मिल्क एवं शीतल पेय का वितरण किया गया। इसके पश्चात नौवें दिन लगभग ६०० जरूरतमंद लोगों को खिचड़ी का वितरण कर भोजन सेवा का आयोजन किया गया।

शाखा ने समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक जरूरतमंद महिला **श्रीमती नेहा शर्मा** को ₹१०,००० की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। संगठनात्मक विस्तार की दिशा में भी शाखा ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए मात्र एक माह में १०८ नए सदस्यों को सम्मेलन से जोड़ा।

शाखा के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व के मार्गदर्शन और सहयोग से भुवनेश्वर शाखा भविष्य में भी सेवा, संगठन और सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेगी तथा समाजहित के विविध प्रकल्पों के माध्यम से सम्मेलन की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

सेवा शिविर

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **अंगुल शाखा** द्वारा प्रभु श्री जगन्नाथ जी की पावन स्नान पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ ३००० ग्लास दही पानी, रोज़ शरबत एवं ठंडे पानी के वितरण का विशाल **'सेवा शिविर'** आयोजित किया गया।

इस सेवा शिविर में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं, महिला शक्ति एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर श्रद्धालुओं एवं आमजन की सेवा की।

कार्यक्रम के दौरान अंगुल के माननीय विधायक **श्री प्रताप प्रधान** ने भी शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने दही पानी का सेवन किया, स्वयं भी लोगों के बीच शीतल पेय वितरित किया तथा सम्मेलन द्वारा किए जा रहे इस जनसेवा कार्य की सराहना की।

इस पुण्य सेवा कार्य में शाखा के सचिव **श्री जितेन्द्र तुलस्यान**, उपाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल**, सहसचिव **श्री सुनील अग्रवाल**, वरिष्ठ सदस्य **श्री राजेश जिंदल**, कोषाध्यक्ष **श्री अनिल बंसल** तथा सदस्य **श्री अशोक अग्रवाल** सहित महिला समिति की सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में अंगुल शाखा ने सभी सहयोगियों, समाजबंधुओं एवं लाभार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सेवा, संस्कार एवं समाजहित के ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

एक्यूप्रेशर शिविर का आयोजन

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की संबलपुर शाखा, मारवाड़ी युवक संघ बड़ाबाजार एवं लायंस क्लब ऑफ संबलपुर के मिलित आनुकूल्य में एक्यूप्रेशर शिविर का शुभारंभ हुआ जो दिनांक २० जुलाई २०२६ तक चलेगा। शिविर का उद्घाटन करते हुए सम्मेलन के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, शाखाध्यक्ष श्री शीशराम अग्रवाल, लायंस क्लब अध्यक्ष श्री सुनील अग्रवाल, टीटू, श्री कमल पंसारी, युवक संघ के अध्यक्ष श्री ललित अग्रवाल तथा जोधपुर से पधारे डॉ श्रवण चौधरी, सभी से अनुरोध है कि आकर इसका लाभ उठाएं।

INTRODUCING

manipal hospitals
LIFE'S ON

Comprehensive Cancer Care Centre

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility

City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill

Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 **6680 0000**

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
AB CABLE & OPGW FITTINGS
POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES
Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

शरबत एवं शीतल पेयजल वितरण

१६ जुलाई २०२६ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की टिटिलागढ़ शाखा एवं महिला शाखा टिटिलागढ़ द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की पावन रथ यात्रा के शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा हेतु शरबत एवं शीतल पेयजल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस सेवा कार्य का मुख्य उद्देश्य रथ यात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं एवं आमजन को गर्मी से राहत प्रदान करना तथा सेवा एवं मानवता की भावना को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम में लगभग १००० श्रद्धालुओं ने शरबत एवं शीतल पेयजल सेवा का लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, टिटिलागढ़ शाखा एवं महिला शाखा के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

रथयात्रा के उपलक्ष्य में प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न

१६ जुलाई २०२६ को मारवाड़ी सम्मेलन लोइसिंघा शाखा द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी की पावन रथयात्रा के उपलक्ष्य में स्थानीय जगन्नाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच बूंदी एवं भुजिया प्रसाद का वितरण किया गया।

लगातार वर्षा के मौसम के बावजूद लगभग ७५० श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर कार्यक्रम को सफल बनाया। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष श्री कमल किशोर अग्रवाल, सचिव श्री कैलाश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री लाबा कुमार अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष (IPP) श्री राज कुमार अग्रवाल तथा राज्य सदस्य श्री राजनारायण अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में शाखा के सदस्य श्री सोनू अग्रवाल, श्री पप्पू अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं समाजबंधुओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

जलपान वितरण कार्यक्रम

१६ जुलाई २०२६५ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ब्रजराजनगर शाखा के अनेक सदस्यों के सहयोग तथा मौजूदगी में अध्यक्ष राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में ब्रजराजनगर मे रथयात्रा में भाग लेने वाले भक्तों को ठंडा पानी, जलेबी, समोसा, तथा नींबू चाय का वितरण किया गया इस अवसर पर करीब एक हजार से ऊपर लोगों ने इस निःशुल्क बंटन का आनंद लिया। इस अवसर पर पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोबिंद अग्रवाल, राउरकेला जोन सचिव श्री अनिल अग्रवाल, शाखा सचिव श्री नवदीप रूंगटा, कोषाध्यक्ष श्री रमेश गोयल, के साथ अन्य अनेक पुरुष तथा महिला सदस्याएं भी मौजूद थे।

जूनागढ़ में ३००० पौधों का वृक्षारोपण

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की जूनागढ़ शाखा, महिला समिति जूनागढ़, श्री शनि देव मंदिर समिति, ब्रह्मणीगुड़ा तथा श्री सत्य साई सेवा समिति, जूनागढ़ के संयुक्त तत्वावधान में श्री शनि देव मंदिर, ब्रह्मणीगुड़ा (जूनागढ़) परिसर में ३००० पौधों का वृक्षारोपण सफलतापूर्वक किया गया।

इस अवसर पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के राज्य वृक्षारोपण संयोजक श्री सुरेन कुमार गोयल ने वृक्षारोपण कार्य को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाने के लिए एक अर्थ ड्रिल मशीन का दान दिया।

इस मशीन की सहायता से पौधारोपण के लिए गड्ढे कम समय में और आसानी से तैयार किए जा सकेंगे। इससे श्रमिकों की कमी की समस्या का समाधान होगा, समय की बचत होगी तथा वृक्षारोपण अभियान को अधिक गति मिलेगी। यह मशीन किफायती होने के साथ-साथ उपयोग में भी अत्यंत सरल है। आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में ऐसी एक-दो और मशीनें भी खरीदी जा सकती हैं, ताकि बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान को और मजबूती मिल सके।

इस अवसर पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल ने सभी स्वयंसेवकों एवं सहयोगी संस्थाओं की सराहना करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया।

राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता पर शोधः
साहित्यकार किरण राजपुरोहित को पीएचडी की उपाधि

'राजस्थानी में शिक्षा और रोजगार मौलिक अधिकार, राजनीतिक उपेक्षा से अब तक नहीं मिली संवैधानिक मान्यता'

६ जुलाई, २०२६ को श्रीडूंगरगढ़ में राजस्थानी की प्रख्यात साहित्यकार एवं राजस्थली के संपादक मंडल की सदस्या **किरण राजपुरोहित 'नितिला'** को माधव विश्वविद्यालय ने **पीएचडी** की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने **'राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता : एक राजनीतिक अध्ययन'** विषय पर सहायक प्रोफेसर **डॉ. विशाल भट्टाचार्य** के निर्देशन में शोध कार्य पूरा किया।

उपाधि ग्रहण करने के बाद किरण राजपुरोहित ने कहा कि करीब आठ करोड़ राजस्थानियों की मातृभाषा राजस्थानी होने के बावजूद इसे आज तक संवैधानिक मान्यता नहीं मिल सकी है। उनका कहना है कि मातृभाषा में शिक्षा और रोजगार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन राजनीतिक उपेक्षा के कारण यह अधिकार अब भी अधूरा है।

उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा में राजस्थानी के स्थान पर हिंदी और अंग्रेजी माध्यम होने से बच्चों के स्वाभाविक भाषाई विकास पर असर पड़ता है। वहीं प्रतियोगी परीक्षाओं में राजस्थानी भाषा, इतिहास और संस्कृति से जुड़े प्रश्नों के अभाव में स्थानीय अभ्यर्थियों को अपने ही राज्य में रोजगार के अवसरों में नुकसान उठाना पड़ता है। उनके अनुसार मातृभाषा आधारित शिक्षा और संवैधानिक मान्यता का अभाव प्रदेश के विकास, रोजगार और पलायन जैसी समस्याओं से भी जुड़ा हुआ है।

प्रख्यात साहित्यकार श्याम महर्षि ने कहा कि ज्यूं सैंणी तितली, कांठळ, नेव निवाळी, गुड़िया रा बाळ, आंख्यां आळा आंधा और झर-झर निर्झर जैसी साहित्यिक कृतियों की रचयिता किरण राजपुरोहित की यह उपलब्धि मातृभाषा में शिक्षा और शोध को नई दिशा देने वाली है।

इस अवसर पर मरूभूमि शोध संस्थान के निदेशक **डॉ. बी. एल. भादानी** सहित **डॉ. मदन सैनी**, मरूभूमि शोध संस्थान के कार्यालय सचिव साहित्यकार **रवि पुरोहित, डॉ. गजादान चारण, डॉ. चेतन स्वामी, रामचन्द्र राठी, विजय महर्षि, महावीर माली, श्रीभगवान सैनी, भगवती पारीक** और **सरोज शर्मा** ने उन्हें बधाई देते हुए इसे राजस्थानी साहित्य जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

उपलब्धियाँ

श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा आयोजित **'महेश गौरव सम्मान–२०२६'** कार्यक्रम में तमिलनाडू प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन के ट्रस्टी **डॉ. अशोक जे. मुँधड़ा** को महेश गौरव सम्मान–२०२६ से समानित किया गया।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री कैलाश काबरा** को **Human Rights & Social Justice Forum** द्वारा **जिला अध्यक्ष, कामरूप मेट्रो** के महत्वपूर्ण दायित्व पर मनोनीत किया गया है। बधाई!

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य **श्रीमती सरोज मित्तल** की सुपौत्री **कुमारी थिया मित्तल** ने मात्र २ वर्ष ९ दिन की अल्पायु में केवल ८ सेकंड में संपूर्ण गायत्री मंत्र का सस्वर पाठ कर **असम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** में अपना नाम दर्ज कराया है। बधाई!

चांदनी शर्मा ने संस्कृत भाषा में ३ मिनट में ७४ संस्कृत **श्लोकों** का वाचन तथा ३ मिनट में ३० श्लोकों का लेखन करके **इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** एवं **एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** में अपना नाम दर्ज कराया है। बधाई!

माजुली की होनहार बेटी **कु. जिज्ञासा सोमानी** ने अमेरिका के प्रतिष्ठित **यूनिवर्सिटी ऑफ टेनेसी, नॉक्सविल (यूएसए)** के **एंटोमोलॉजी** एंड प्लांट पैथोलॉजी विभाग में पीएच.डी. (रिसर्च) हेतु चयन किया गया है। जिज्ञासा श्री पापू सोमानी एवं श्रीमती सुमन सोमानी की सुपुत्री है। बधाई!

रतनगढ़ हाल मुकाम मऊ निवासी श्री प्रमोद थरड़-मीना देवी थरड़ की सुपुत्री **डॉ० वीणा थरड़** जिन्हें आज एमडी **रेस्पिरेट्री मेडिसिन** में **स्वर्ण पदक** से सम्मानित किया गया है। डॉ० वीणा फिलहाल गाजीपुर मेडिकल कॉलेज में कार्यरत हैं। बधाई!

डॉ. जी. डी. अग्रवाल : एक वैज्ञानिक जिसने गंगा के लिए अपने प्राण अर्पित कर दिए

– उमेश खंडेलिया, धेमाजी

इतिहास इस बात का साक्षी है कि किसी भी सभ्यता का भविष्य केवल उसके शासकों या आर्थिक विकास से तय नहीं होता, बल्कि उन लोगों से तय होता है जो अपने निजी सुख-सुविधाओं का त्याग कर समाज और प्रकृति के लिए खड़े होने का साहस रखते हैं। दुर्भाग्य यह है कि ऐसे लोग अपने जीवनकाल में प्रायः उपेक्षित ही रह जाते हैं। भारत में यदि ऐसे महान व्यक्तित्वों की सूची बनाई जाए तो उसमें डॉ. जी. डी. अग्रवाल, जिन्हें बाद में संसार ने स्वामी सानंद के नाम से जाना, का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाएगा।

डॉ. गोविंद दास अग्रवाल केवल एक संत या पर्यावरण कार्यकर्ता नहीं थे। वे विश्वस्तरीय वैज्ञानिक, प्रख्यात पर्यावरण अभियंता और नीति-निर्माता थे। उन्होंने रुड़की विश्वविद्यालय (वर्तमान IIT रुड़की) से सिविल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की तथा विश्वविख्यात कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से पर्यावरण इंजीनियरिंग में पीएच.डी. की। वे IIT कानपुर में पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष रहे और भारत के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के प्रथम सदस्य सचिव के रूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण दायित्व निभाया। उनके लिए विदेशों में सम्मान, शोध और सुख-सुविधाओं के असीम अवसर उपलब्ध थे, किंतु उन्होंने अपनी प्रतिभा भारत और उसकी नदियों के संरक्षण के लिए समर्पित कर दी।

जीवन के उत्तरार्ध में उन्होंने संन्यास ग्रहण किया, किंतु उनका संन्यास संसार से पलायन नहीं था। वह प्रकृति के प्रति समर्पण का संकल्प था। उन्होंने गंगा को केवल एक धार्मिक आस्था नहीं माना, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, पारिस्थितिक और आर्थिक जीवनरेखा के रूप में देखा। उनका मानना था कि यदि गंगा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होगा, यदि उस पर अनियंत्रित बांध बनेंगे और उसमें प्रदूषण बढ़ता जाएगा, तो इसका दुष्परिणाम केवल नदी तक सीमित नहीं रहेगा; पूरा समाज इसकी कीमत चुकाएगा।

उन्होंने अनेक बार भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। पत्र लिखे, वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत किए, संवाद का प्रयास किया और जब उन्हें लगा कि उनकी बात गंभीरता से नहीं सुनी जा रही है, तब उन्होंने सत्याग्रह का मार्ग चुना। वर्ष २०१८ में, लगभग ८६ वर्ष की आयु में, उन्होंने हरिद्वार में गंगा की अविरलता और निर्मलता की रक्षा, हिमालयी क्षेत्रों में बड़े जलविद्युत परियोजनाओं पर पुनर्विचार तथा गंगा संरक्षण के लिए प्रभावी कानूनी व्यवस्था की मांग को लेकर आमरण अनशन प्रारंभ किया।

यह कोई प्रतीकात्मक उपवास नहीं था। यह १११ दिनों तक चला जीवन-मरण का संघर्ष था। एक ऐसा वैज्ञानिक, जिसने अपना पूरा जीवन ज्ञान, अनुसंधान और नीति-निर्माण को समर्पित किया था, धीरे-धीरे मृत्यु की ओर बढ़ रहा था। अंततः ११ अक्टूबर २०१८ को उनका देहावसान हो गया। यह केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं थी; यह उस चेतावनी की अनदेखी थी जिसे एक विद्वान वैज्ञानिक अपने जीवन की अंतिम सांस तक देश को सुनाना चाहता था।

यह भी विचारणीय है कि जिस व्यक्तित्व का शैक्षणिक और वैज्ञानिक कद अंतरराष्ट्रीय स्तर का था, जिसकी बात पर्यावरण विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण थी, उसके अंतिम संघर्ष को वह राष्ट्रीय विमर्श नहीं मिल पाया जिसकी वह अपेक्षा करता था। उस समय देश की सार्वजनिक चर्चाएँ अन्य विषयों में अधिक उलझी रहीं। यह प्रश्न आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या हम अपने उन लोगों को समय रहते पहचान पाते हैं, जो बिना किसी निजी स्वार्थ के आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं?

डॉ. जी. डी. अग्रवाल ने कभी सत्ता, प्रसिद्धि या पुरस्कार की आकांक्षा नहीं की। उनका संघर्ष किसी सरकार या दल के विरुद्ध नहीं था; वह प्रकृति के पक्ष में था। वे मानते थे कि विकास आवश्यक है, किंतु ऐसा विकास जो नदियों, जंगलों और पर्यावरण को नष्ट करके प्राप्त हो, अंततः मानव सभ्यता के लिए ही विनाशकारी सिद्ध होगा। आज जब जलवायु परिवर्तन, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन पूरी दुनिया की सबसे बड़ी चिंताएँ बन चुके हैं, तब उनके विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होते हैं।

समाज प्रायः अपने सच्चे नायकों को बहुत देर से पहचानता है। जो लोग आने वाले संकटों की चेतावनी देते हैं, वे अपने समय में सरकार को असुविधाजनक लगते हैं; किंतु इतिहास अंततः उन्हीं के पक्ष में खड़ा होता है। डॉ. जी. डी. अग्रवाल का जीवन हमें यही सिखाता है कि राष्ट्रभक्ति केवल नारों से नहीं, बल्कि प्रकृति, नदियों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा से भी सिद्ध होती है।

आज आवश्यकता केवल उन्हें श्रद्धांजलि देने की नहीं, बल्कि उनके अधूरे संकल्प को समझने की है। यदि गंगा सचमुच हमारी आस्था है, तो उसे निर्मल और अविरल बनाए रखना हमारा राष्ट्रीय दायित्व भी है। डॉ. जी. डी. अग्रवाल चले गए, किंतु वे एक प्रश्न छोड़ गए हैं–क्या हम विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित कर पाएँगे, या फिर आने वाली पीढ़ियाँ हमें इस उपेक्षा के लिए कभी क्षमा नहीं करेंगी?

उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि कुछ लोग इतिहास में पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि अपने त्याग से अमर होते हैं। डॉ. जी. डी. अग्रवाल ऐसे ही अमर व्यक्तित्व थे। एक विश्व स्तरीय वैज्ञानिक, तपस्वी और गंगा के सच्चे पुत्र।

आत्मनिर्भरता का भ्रम और बिखरते परिवार

– **राजेश थरड़**, इंदौर

(शेषांश......जून २०२६ अंक)

पूरा करने से कहीं अधिक बड़ा और वास्तविक सशक्तिकरण, एक उत्कृष्ट समाज और सशक्त परिवार का निर्माण करना है।

५. पश्चिम का आर्थिक चक्रव्यूह और महानगरों का छलावा

हमें इतिहास और अर्थशास्त्र के उस गहरे खेल को समझना होगा जिसने आज हमारे समाज को अपनी जकड़ में ले लिया है। भारत का महानगरों में रहने वाला युवा आज जिस करियर और अकेलेपन की अंधी दौड़ में दौड़ रहा है, पश्चिम का विकसित समाज उस रास्ते पर पचास वर्ष पहले ही चलकर तबाह हो चुका है। पश्चिम में अर्थशास्त्रियों और विचारकों ने इस तबाही को बहुत पहले ही रेखांकित कर दिया था। प्रसिद्ध समाजशास्त्री बेट्टी फ्रीडमैन ने अपनी चर्चित पुस्तक 'द फेमिनिन मिस्टिक' में बहुत विस्तार से उजागर किया था कि कैसे बड़े कॉर्पोरेट घरानों और बाज़ार ने योजनाबद्ध तरीके से महिलाओं को घर-परिवार से दूर करने का एक छद्म जाल बुना। इसका सीधा आर्थिक उद्देश्य यह था कि घर में बैठी महिलाएँ बाज़ार के लिए केवल एक उपभोक्ता थीं, लेकिन दफ्तरों में आते ही वे बाज़ार के लिए सस्ती श्रमिक भी बन गईं और अपनी स्वतंत्र कमाई से बड़ी उपभोक्ता भी बन गईं। इस एक कदम से कंपनियों का मुनाफा तो दोगुना हो गया, लेकिन परिवार की बलि चढ़ गई।

इसी प्रकार, प्रसिद्ध विचारिका मैरी एबरस्टाड ने अपनी पुस्तक 'हाउ द वेस्ट रियली लॉस्ट गॉड' में अकाट्य तथ्यों के साथ सिद्ध किया है कि पश्चिम के पतन का कारण कोई धार्मिक अरुचि नहीं थी, बल्कि वहाँ के पारिवारिक ढांचे का टूटना था। जब स्त्री और पुरुष दोनों को चौबीस घंटे आर्थिक होड़ में झोंक दिया गया, तो घरों से सुरक्षा, ममता और संस्कारों की धुरी ही गायब हो गई। परिणाम यह हुआ कि आज महंगाई इस कदर बढ़ गई है कि दोनों के दिन-रात खटने के बाद भी एक साधारण घर चलाना मुश्किल हो रहा है। बाज़ार को संयुक्त परिवार से सदा नफरत रही है, क्योंकि साझा संसाधनों से पूरा परिवार कम खर्च में सुखी रहता था। बाज़ार ने निजता का ऐसा छलावा बेचा कि परिवार टूटें और एक बड़े घर की जगह तीन फ्लैट, तीन गाड़ियाँ और तीन अलग-अलग रसोई के साधन बिकें। जिसे आज की पीढ़ी अपनी आज़ाद जीवनशैली कहती है, वह वास्तव में पश्चिम की उसी पुरानी बाज़ारवादी व्यवस्था की एक आत्मघाती नकल मात्र है जो भारत में अब पैर पसार रही है।

६. भारत में आज क्या हो रहा है? (डिजिटल घेराबंदी)

आज भारत में जो भटकाव दिख रहा है, उसके पीछे मोबाइल और इंटरनेट के एल्गोरिदम का खेल है। सोशल मीडिया के मंचों को इस तरह बनाया गया है कि वे आपके बच्चों को वही दिखाएँ जो उन्हें परिवार से दूर करे। रील और लघु-वीडियो के इस दौर में 'अकेले रहना' और 'बड़ों की सेवा को गुलामी' बताना एक अघोषित युद्ध है।

यह तकनीकी तंत्र बच्चों को उनके माता-पिता से दूर कर रहा है ताकि वे केवल एक अकेले उपभोक्ता बनकर रह जाएं जिन्हें बाज़ार आसानी से अपनी उंगलियों पर नचा सके। इस डिजिटल घेराबंदी को तोड़ने के लिए हर घर में प्रतिदिन कम से कम एक घंटा 'नो-गैजेट टाइम' घोषित होना ही चाहिए, जहाँ परिवार के सभी सदस्य सामूहिक भोजन करें और मोबाइल की स्क्रीन के बजाय एक-दूसरे के चेहरों को पढ़कर संवाद करें।

७. पश्चिम का 'पश्चात्ताप' और जड़ों की ओर वापसी

अचरज की बात यह है कि जिस आधुनिकता की हम आँख मूँदकर नकल कर रहे हैं, वहां की नई पीढ़ी अब उससे तौबा कर रही है। इंटरनेट पर आज तीन बड़े बदलाव साफ देखे जा सकते हैं। पहला है TradWife यानी पारंपरिक पत्नी आंदोलन, जहाँ पढ़ी-लिखी युवा महिलाएं अब स्वेच्छा से कॉर्पोरेट की अंधी दौड़ छोड़कर घर लौट रही हैं और मानती हैं कि किसी अनजान कॉर्पोरेट अधिकारी की मानसिक गुलामी से बेहतर अपने परिवार की धुरी बनना है। दूसरा है Stay At Home Mom जिसका अर्थ है घर पर रहने वाली माँ, जो यह स्थापित कर रही हैं कि बच्चों के पालन-पोषण और उनके चरित्र निर्माण का काम किसी भी व्यावसायिक टार्गेट से कहीं अधिक सम्मानजनक है।

तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण आंदोलन है Homesteadingu यानी स्वावलम्बी गृहस्थी। इसके तहत महानगरों की डिग्रियों वाले युवा अब कंक्रीट के जंगलों से निकलकर ग्रामीण इलाकों या छोटे कस्बों की तरफ जा रहे हैं। वे वहाँ प्राकृतिक खेती कर रहे हैं, अपने पुश्तैनी काम-धंधों को आधुनिक तरीके से संभाल रहे हैं और प्रकृति के करीब एक सरल जीवन जी रहे हैं। यह वैश्विक बदलाव इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि प्रकृति के नियमों को बहुत दिनों तक चुनौती नहीं दी जा सकती। हमें भी अपनी जड़ों की ओर लौटते हुए, घर संभालने वाली मातृशक्ति की छवि को हीनभावना से निकालकर पुनः गौरवान्वित करना होगा।

८. जड़ों से उखड़ते पुश्तैनी व्यापार और 'महानगरीय वैवाहिक छलावा'

इसी बिखराव का एक और सबसे दर्दनाक और व्यावहारिक पहलू यह है कि आज हमारी नई, उच्च शिक्षित पीढ़ी छोटे कस्बों और शहरों के बड़े, स्थापित पुश्तैनी व्यापारों को छोड़कर महानगरों की चंद रुपयों की नौकरी को तरजीह दे रही है। जिन पिताओं ने जीवन भर खून-पसीना एक करके एक भरा-पूरा साम्राज्य और सामाजिक प्रतिष्ठा खड़ी की, आज उनके बच्चे उस मान-सम्मान को छोटा काम समझकर बेंगलुरु, मुंबई या गुड़गांव के फ्लैटों में कॉर्पोरेट की चाकरी कर रहे हैं।

इस त्रासदी के पीछे एक और कड़वी सामाजिक मजबूरी है, जिसे हम अक्सर छुपा जाते हैं–आज महानगरों में पढ़-लिख रही लड़कियाँ विवाह के बाद छोटे शहरों या कस्बों में जाना ही नहीं चाहतीं। उन्हें लगता है कि छोटे शहरों में उनके करियर, स्वतंत्रता और जीवनशैली का दम घुट जाएगा। परिणाम यह होता है कि सुयोग्य लड़कों के माता-पिता को केवल बच्चों की शादी और उनके वैवाहिक जीवन को बचाने के लिए, न चाहते हुए भी अपने जमे-जमाए व्यापार और पुरखों के घर को छोड़कर बड़े शहरों की तरफ रुख करना पड़ता है।

यह केवल एक स्थानांतरण नहीं, बल्कि एक हँसते-खेलते पारंपरिक सामाजिक ढांचे की हत्या है। जिस पीढ़ी को सामंजस्य और परिवार को जोड़ना सीखना था, वे आज निजता और महानगरीय जीवन की ऐसी ज़िद पर अड़े हैं कि पूरा का पूरा पारिवारिक ढांचा ही ताश के पत्तों की तरह ढह रहा है। आभासी मित्रों की दुनिया में जीने वाला यह युवा हकीकत में इतना अकेला है कि बंद फ्लैटों में उसे डिप्रेशन से बचने के लिए सलाहकारों को भारी फीस देनी पड़ रही है।

एक विनम्र विचार

वास्तव में, इस आलेख में रेखांकित किया गया प्रत्येक बिंदु अपने आप में एक स्वतंत्र और व्यापक विमर्श की मांग करता है, जिस पर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे जा सकते हैं। स्थान और शब्द-सीमा की मर्यादाओं के कारण, यहाँ मेरा उद्देश्य केवल एक संक्षिप्त रूप में समाज के प्रबुद्ध वर्ग का ध्यान इन सुलगते हुए प्रश्नों की ओर आकर्षित करना मात्र है, ताकि हम समय रहते आत्ममंथन कर सकें।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्रीमती राजू सिंघी उत्सव गार्डन, सती जयमती रोड, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ६००३९४४३००	**श्री रामनिवास प्रजापत** राहा बाज़ार, राहा नगाँव, असम मो. ८३९९९२५६१०	**श्रीमती रीना अग्रवाल** शिवन नगर, उत्तर बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२७४७१४५	**श्रीमती रितिका शर्मा** सूर्या वाटिका अपार्टमेंट धीरेनपाड़ा, गुवाहाटी, असम मो. ८९२९६४४५८८	**श्रीमती रोशनी जैन** ए-सेक्टर मेन रोड, नहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९८६३६५८६३०
श्री राम चंद्र चौधरी एल.आई. बाली रोड, धेमाजी, असम मो. ७००२७१७५२४	**श्रीमती रंजना देवी गोयनका** लोखरा रोड, हनुमान मंदिर के सामने, गुवाहाटी, असम मो. ७००२७९८८३६	**श्रीमती रेखा बजाज** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२२६८९०३	**श्रीमती रितु अग्रवाल** राधिका अपार्टमेंट अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६०४००६६	**श्रीमती रुक्मणी शर्मा** पान बाजार फ्लाईओवर ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९२०७०९३८४७
श्री राम धन अग्रवाल नेहरू रोड, पोस्ट - डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५००३७१४	**श्रीमती रंजना पारीक** गांधी बस्ती, गुवाहाटी, असम मो. ७००२५०६४६४	**श्रीमती रेखा गोयल** सूर्या वाटिका अपार्टमेंट गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१९६४९४	**श्रीमती रितु डागा** रेलवे स्टेशन के पास सिलापथार, धेमाजी, असम मो. ७०१४४६०६८७	**श्री साहिल अग्रवाल** चारू मार्केट, एस.आर.सी.बी. रोड फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४१०६४
श्री राम नारायण अग्रवाल एम.जी. रोड, नतुन बाजार जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९४३५०६४२४८	**श्री रंजीत कुमार सुराना** बिरुबाड़ी, कामरूप, असम मो. ९४३५४०३९८६	**श्रीमती रेखा पुजारी** छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ७००२७०२२२९	**श्रीमती रितु जैन** सेक्टर- ए, नहरलगुन ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७९४६८४८२३	**श्री सज्जन बंसल** मेसर्स-श्री श्याम एंटरप्राइजेज स्टेशन रोड, धेमाजी, असम मो. ९२०७१८५२००
श्री राम निवास झँवर मेसर्स - इलेक्ट्रिकल एंटरप्राइजेज सिलापथार, धेमाजी, असम मो. ७८९६१७५९००	**श्री रंजीत लोहिया** ओल्ड ए.टी. रोड, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ९४३५०६१०२६	**श्रीमती रेखा शर्मा** गनी हजारिका मार्केट, एन. टी. रोड, लखीमपुर, असम मो. ९३६५०५४५८३	**श्रीमती रितु पोद्दार** एम.जी. रोड, फैंसी बाजार, गुवाहाटी, कामरूप, असम	**श्री सज्जन केजरीवाल** टी.एस. लेन, शांतिपारा डिब्रूगढ़ टाउन, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३१००१
श्री राम निवास महेश्वरी मोरीधल, धेमाजी, असम मो. ९९५४३००४३५	**श्रीमती रंजीता कंकड़िया** टोकोबारी काली मंदिर, गुवाहाटी, असम मो. ९५०८७५९३१२	**श्रीमती रेनू अग्रवाल** लैम्ब रोड, कॉर्नर कैफे के पास, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६०६२२५०	**श्रीमती रितु सांखला** नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९७०७६६६७६७	**श्री साकेत जालान** ए.टी. रोड, चार्ली डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ७८९६७१४७४८
श्रीमती रामा गट्टानी आकाशदीप काम्प्लेक्स, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ७००५७४२४०२	**श्रीमती रंजना अग्रवाल** बड़ा बाज़ार, राम मंदिर के पास, बोंगाईगाँव, असम मो. ७६३८०१६९२१	**श्रीमती रेनू मोदी** ए.के. आजाद रोड, चार्ली, रिहाबारी, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४८४३७	**श्रीमती रिया जैन** नाहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७९४०२४४५०	**श्री समीर गोयल** चेंबर रोड, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५१३६७४३
श्री रमन अग्रवाल २९७, माकुम रोड तिनसुकिया, असम मो. ९४३५००२१९१	**श्रीमती रंजू माहेश्वरी** सी.आर. स्टील के पास, हारमोती, लखीमपुर, असम मो. ८६३८१६४७३०	**श्रीमती रीता अग्रवाल** फाटाशिल अंबारी, काली मंदिर, गुवाहाटी, असम मो. ८२५४०३३३११	**श्री रॉबिन पेरीवाल** कालापहाड़, कामरूप, असम मो. ७६६३०३००००	**श्रीमती सम्पति देवी अग्रवाल** अरुणा ब्लॉक, आशि प्राइड एफ.ए. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४०१९५५०५६
श्री रामावतार पारीक राहा बाजार, राहा नगाँव, असम मो. ६०००६९९४४३	**श्री रंजू साह** लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८५४२५	**श्रीमती रीता लाखोटिया** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२३३६९१७	**श्री रोहित अग्रवाल** सरोजिनी अपार्टमेंट, बीरुबाड़ी, कामरूप, असम मो. ८६३८८०३६००	**श्री संदीप अग्रवाल** मेसर्स – अग्रवाल स्टोर जालान नगर, डिब्रूगढ़, असम मो. ७००२६१३२१६
श्री रमेश कुमार अग्रवाल द्वारा - गोयल डिस्ट्रीब्यूटर्स डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९४३५०९४१५२	**श्रीमती रश्मि चोखानी** आलू गोदाम वाली गली, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९६७५९५०६६६	**श्रीमती रीता सराफ** अक्षय रामका बिल्डिंग कामरूप, असम मो. ९४३५५५०९२४	**श्री रोहित जैन** उदय पुष्प वाटिका ए.सी. चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९९०३६१२८२१	**श्री संदीप अग्रवाल** ए.टी. रोड, जागीरोड मोरीगाँव, असम मो. ८३९९९३०५७१
श्री रमेश कुमार तापड़िया मेसर्स - बीके एजेंसी जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९४३५७२२२२१	**श्रीमती रश्मि पंसारी** बी.बरुआ रोड, उल्लुबाड़ी गुवाहाटी, असम मो. ९९५४५२३७४५	**श्री रितेश अगरवाला** डुंगरमल हनुमान बक्स, ढाकापट्टी, नगाँव, असम मो. ९४३५०६२०३६	**श्री रूप चंद प्रजापत** उत्तर बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४१२१५९६	**श्री संदीप जैन** यूको बैंक के पास, ढेकियाजुली, सोनितपुर, असम मो. ७९७६१४३११६
श्री रमेश पोद्दार हैबरगाँव पुलिस स्टेशन के पास, नगाँव, असम मो. ९४३५०६१३६८	**श्री रवि शर्मा** गोलाघाट, असम मो. ८८११८५२४६०	**श्री रितेश कुमार मिसरूफ** एन.सी. रोड, तेजपुर सोनितपुर, असम मो. ९६७८०८१४४८	**श्रीमती रोशनी अग्रवाल** डी.के. रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम	**श्री संदीप पोद्दार** एच. एस. रोड, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३४००६

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री संदीप टिबड़ेवाल बी. सी. दास रोड, शांतिपाड़ा, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३१३७४	**श्री संजय अग्रवाल** मेसर्स - हरियाणा क्लॉथ स्टोर जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९९५७५४४५०२	**श्री संतोष अग्रवाल** एम.जी. रोड, जागीरोड मोरीगाँव, असम मो. ९१२७२५९२९९	**श्रीमती सारिका भंडारी** बाल्टी कारखाना गली अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०१८८०२	**श्रीमती सरोज काकरा** कुमारपाड़ा, पांचाली गुवाहाटी, असम मो. ९१०१३९२६८१
श्री संदीप चमड़िया चक्रेश्वर पथ, कालीपुर कामाख्या, कामरूप, असम मो. ९४३५०२८४३९	**श्री संजय कुमार अगरवाला** नेहरू रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५५७२३०८	**श्री संतोष जैन** ए-सेक्टर, नाहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२२४७५७	**श्रीमती सारिका बोथरा** पगलास्थान, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४०१६८१८४१	**श्रीमती शशि धूत** पब सरानिया, चाँदमारी, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५११२३४४
श्री संदीप खाटूवाला न्यू चार्ली, राहा नगाँव, असम मो. ९४३५०६८७०८	**श्री संजय कुमार अगरवाला** ज्ञान विला, मानव कल्याण रोड, तिनसुकिया, असम मो. ८८११०९२७१४	**श्रीमती संतोष कासलीवाल** द्वारा - एम.के. जैन केशर सदन, बोंगाईगाँव, असम मो. ८६३८४८१५८१	**श्रीमती सरिता बैद** द्वारा - बिमल बैद, शास्त्री रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ८६३८७८००८३	**श्री सत्य नारायण भट्टर** मेसर्स - भट्टर स्टोर गोलाघाट, असम मो. ९४३५०९६१३६
श्री संदीप खेतान न्यू चार्ली, राहा नगाँव, असम मो. ९४३५०६२९२७	**श्री संजय कुमार बंसल** मेसर्स- हाई टेक प्रिंटर्स, गांधी पार्क रोड, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५१३४२२५	**श्री संतोष कुमार जैन** द्वारा-संतोष कुमार जैन एंड कंपनी ईस्ट बाज़ार, करीमगंज, असम मो. ९४३५०७६१२०	**श्रीमती सरिता देवी बैद** आचार्य तुलसी मार्ग, उत्तर बोंगाइगाँव, बोंगाइगाँव, असम मो. ९८५९९२१६५८	**श्री सत्य नारायण तापड़िया** मेसर्स - भवानी इलेक्ट्रिकल्स चापागुड़ी रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४३५१२२६८१
श्री संदीप कुमार गंग मेसर्स - महावीर एंटरप्राइज करीमगंज, असम मो. ९४३५७२४०५४	**श्री संजय कुमार भुवालका** मानकोटा रोड, चौकीडिंगी डिब्रूगढ़, असम मो. ६००१८२७५५८	**श्री संतोष कुमार सेठिया** न्यू चार्ली, राहा, नगाँव, असम मो. ९४३५०६३०५१	**श्रीमती सरिता गोयल** बिष्णुपुर मेन रोड, हनुमान मंदिर, कामरूप, असम मो. ९८६४४११९१६	**श्री सौरव मोरे** मेसर्स-बी.डी. फर्नीचर हाउस, हैबरगाँव, नगाँव, असम मो. ७००२५१७५३७
श्रीमती संगीता अगरवाला शुभम स्वीट्स के सामने गुवाहाटी, असम मो. ९८५४०२०७०१	**श्री संजय कुमार बिहानी** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४०१२३०९०९	**श्रीमती संतोष महेश्वरी** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४०१०८१८४२	**श्रीमती सरिता सुरेका** चापागुड़ी रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४३५१२२९८२	**श्रीमती सविता जैन** अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१०२२२६
श्रीमती संगीता भंसाली ए.ओ.सी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२२३०१	**श्री संजय कुमार देवड़ा** मारवाड़ी पट्टी, ए.टी. रोड, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३२७५२	**श्रीमती संतोष शर्मा** चपागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ८६१९९४३०२३	**श्रीमती सरला बोथरा** नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०६४५२०	**श्रीमती सावित्री शर्मा** नहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७८७६१२०७७
श्रीमती संगीता सेठी मेसर्स - असम स्टील कंपनी, सुभाष रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०३०७	**श्रीमती संजू भंसाली** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१०१७५४२५०	**श्रीमती संतोष शर्मा** द्वारा - शर्मा एंटरप्राइज, एन. टी. रोड, लक्खीमपुर, असम मो. ७७४२६७८००७	**श्रीमती सरला लाहोटी** कृष्ण कुंज, बी.आर. फुकन रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४२६३७	**श्रीमती सीमा गोयनका** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९९५४१९०००२
श्रीमती संगीता भरेच पानबाजार, जसवंत रोड गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०२९१३१	**श्रीमती संजू जैन** ए-सेक्टर, नहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४१६२७	**श्रीमती सपना बाहेती** एफ. सेक्टर, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९७७४००७३७६	**श्रीमती शर्मिला बजाज** एन.एस. रोड, फाटाशिल गुवाहाटी, असम मो. ९९५४२०६३८३	**श्रीमती सीमा जैन** मेन रोड, बड़ा बाज़ार बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२५१६८४७
श्रीमती संगीता कुचेरिया के.आर.सी. रोड, कुमारपाड़ा, गुवाहाटी, असम मो. ८४८६१७०००१	**श्रीमती संजू शर्मा** सूर्या वाटिका अपार्टमेंट गुवाहाटी, असम मो. ८०११७७९४५१	**श्रीमती सपना मालपानी** ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९७७४००७६५३	**श्रीमती सरोज अगरवाला** मेसर्स-बागेश्वरी साइकिल कंपनी मेन रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४०१०११७७७	**श्रीमती सीमा जैन** A-सेक्टर, नहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२२८४१२
श्रीमती संगीता सरावगी मच्छखोवा केदार रोड गुवाहाटी, असम मो. ९७०७०१५३८२	**श्रीमती संजू सुराणा** जे.पी. अगरवाला रोड शांतिपुर, गुवाहाटी, असम मो. ८८१२९४४४८१	**श्रीमती सपना शर्मा** बिस्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम मो. ८०११३३९९२०	**श्री सरोज देवी सिंघी** नूर मार्केट, मेन रोड बोंगाइगाँव, असम मोः ९४७६७१९१६७	**श्रीमती सीमा सोनी** क्रिश्चियन बस्ती, जी.एस. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४५८६५१७
श्रीमती संजना अग्रवाल सुपर मार्केट, पगलास्थान बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२२५७८	**श्री शांतिलाल डागा** जी-एक्सटेंशन रोड, नहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२५१८१६	**श्रीमती सरला जैन** छत्रीबाड़ी, कामरूप, असम मो. ७००२४५६९११	**श्रीमती सरोज हरलालका** मेसर्स - भवानी ट्रेडर्स मेन रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४०११६९९८१	**श्री शीतल जैन** मेसर्स - शीतल ट्रेडिंग मेन रोड, धेमाजी, असम मो. ७००२६६४४८४

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती शकुंतला गोयल नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५४१४६९	**श्री शिव कुमार शर्मा** मेसर्स-शर्मा हार्डवेयर, राहा पुराना चार्ली, नगाँव, असम मो. ९४३५१६१६८५	**श्रीमती श्यामा सरावगी** टी.आर. फुकन रोड भरलुमुख, गुवाहाटी, असम मो. ९९५४१००१०१	**श्रीमती शुचि डागा** भोला मेंशन, एच.बी. रोड फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम मो. ७००२९८५११२	**श्री सुनील जैन** कुमारपट्टी, फैंसी बाजार गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०१७८३२
श्रीमती शारदा शर्मा आलू गोदाम वाली गली, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१०६४३२	**श्री शिव अग्रवाल** द्वारा - बालाजी स्टोर मोरीगाँव, जागीरोड, असम मो. ७८९६१४३३९७	**श्री सिद्धांत लोहिया** सबोती, उत्तरी लखीमपुर लखीमपुर, असम मो. ९१२७९२२२२२	**श्रीमती सुचित्रा छाजेड़** अरुणोदय पथ, नारायणनगर, गवाहाटी, असम मो. ९८६४३२१२११	**श्री सुनील कुमार जैन** पोस्ट - जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९४३५०६४२५०
श्री श्रवण मलानी बोरपुल, ए.टी. रोड, जोरहाट, असम मो. ९७०६०५११४१	**श्री शिवपाल बिजारणिया** मेसर्स - एम.एस. हार्डवेयर मेन रोड, पापुम पेयर, असम मो. ८८७६००५६७७	**श्री शिखर चंद पारख** चापागुड़ी रोड, उत्तरी बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२३४०५	**श्रीमती सुधा हरलालका** पगलास्थान रोड, बोंगाईगाँव, असम	**श्री सुनील कुमार खेमका** के.सी. गोगोई पथ खलीमारी, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३०९०४
श्रीमती शशि मालू मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२३४०६	**श्रीमती शोभा महेश्वरी** एम.जी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ६०००३६३४१६	**श्रीमती शिल्पा हरलालका** चापागुड़ी रोड, उत्तरी बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०८०६३३	**श्री सुजीत कुमार अगरवाला** बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१३३१	**श्री सुनील कुमार पोद्दार** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८२५७८३१४१७
श्रीमती शशि मित्तल नारायण नगर, कुमारपाड़ा गुवाहाटी, असम मो. ९८६४९५४०३२	**श्रीमती श्वेता बोथरा** नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९७५४४४३७५०	**श्रीमती सीमा छावछारिया** बोंगाईगाँव, असम मो: ९४३५०२३३३५	**श्री सुखदेव प्रसाद** एल.आई. बाली रोड, धेमाजी, असम मो. ९००१९२३६९१	**श्रीमती सुनीता अग्रवाल** भागदत्तापुर, गरुकाच्छी पथ बेल्तोला तिनाली, गुवाहाटी, असम मो. ७००२३०२८१४
श्रीमती शीतल जैन मेन रोड, निरजुली, नहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८२५७८६७०४०	**श्री श्याम कंकानी** राजगढ़ रोड, भांगागढ़, गुवाहाटी, असम मो. ९७०७३२३९९९	**श्रीमती सीता धूत (स्वाति)** क्रिश्चियन बस्ती, जी. जू. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६०४६४६३	**श्रीमती सुलोचना चौधरी** अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०३००८१	**श्रीमती सुनीता अगरवाला** क्रिश्चियन बस्ती, जी.एस. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ७६३७८५२६७७
श्री शीतल कुमार खेमका दुगड़ कॉम्प्लेक्स, एस.सी. रोड, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०५०२२३	**श्री श्याम सुंदर अगरवाला** मेसर्स - मेगा ड्रिलिंग कंपनी डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९४३५०९२६८०	**श्रीमती सीता झंवर** कुमारपाड़ा पांचाली, गुवाहाटी, असम मो: ९८६४९२३२८२	**श्रीमती सुमन सुराणा** जी.एम. कॉलोनी, चपागुरी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७८९९४४३१८१	**श्रीमती सुनीता भुतोड़िया** गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४९६३५
श्रीमती शिखा हरलालका बोरपाड़ा, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५५१०३१६	**श्री श्याम सुंदर जालान** मेसर्स - जे.पी. गारमेंट बड़ा बाज़ार, नगाँव, असम मो. ९४३५०६१४१९	**श्री सीता राम पारीक** एल.के.बी. रोड, सिलापथार धेमाजी, असम मो. ९९५४६३३३७१	**श्री सुमित अग्रवाल** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२३९०६७३	**श्रीमती सुनीता डागा** जी-एक्सटेंशन रोड, नहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९७७४६२३४३७
श्रीमती शिल्पा जैन ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८६३८९८१२८८	**श्री श्याम सुंदर पुरवा** ए.टी. रोड, ढेकियाजुली सोनितपुर, असम मो. ९९५४५८१४७७	**श्रीमती सीता सिंघल** जी.एम. कॉलोनी, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७८९६५७७७२७	**श्रीमती सुमित्रा सेठी** द्वारा - असम स्टील कंपनी सुभाष रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७१९४२१	**श्रीमती सुनीता हरलालका** डेली मार्केट, डेली डी.सी. ऑफिस,बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२०२१७८५
श्रीमती शिल्पी गोयनका बिस्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम मो. ८८७६३०३१२२	**श्री श्याम सुंदर शर्मा** ए.टी. रोड, कोलिया पानी डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ९५०८००४२०९	**श्रीमती सिया शर्मा** जनता भवन, अठगाँव गुवाहाटी, असम मो. ९९५७३५५०७३	**श्री सुनील अग्रवाल** मेसर्स- रामदेव विनोद कुमार ढाकापट्टी, नगाँव, असम मो. ९४३५०६३३०२	**श्रीमती सुनीता जाजू** बी.आर.पी. रोड, कुमारपाड़ा कामरूप, असम मो. ८७६१०११४४२
श्री शिव दयाल तोशनीवाल देरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ८०११९०९७६०	**श्री श्याम सुंदर जाजू** एन.टी. रोड, उत्तरी लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९९५४१८३८३४	**श्रीमती सोनू बैद** मेसर्स - पवन एंटरप्राइजेज मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१२३३२५७५६	**श्री सुनील अग्रवाल** खेलमती, उत्तर लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८५१३०	**श्रीमती सुनीता जालान** टी.आर. फूकन रोड, फैंसी बाजार, कामरूप, असम मो. ९८६४७०१४९९
श्री शिव गर्ग द्वारा - श्री बालाजी एजेंसी जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९७०७०६२७०३	**श्री श्याम सुंदर लोहिया** के.बी. रोड, उत्तरी लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८४६१९	**श्री सुभाष शर्मा** मेसर्स- सुभाष राइस मिल, राहा, नगाँव, असम मो. ९४०१५११०९०	**श्री सुनील बंसल** ग्राम- बेमफोर, पोस्ट - टोपातोली, कामरूप, असम	**श्रीमती सुनीता लाखोटिया** गंगा मार्केट, ईटानगर पपुम पारे, अरुणाचल प्रदेश मो. ९५७१२७११३७

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्रीमती सुनीता लाखोटिया नहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४४८९४	**श्री सुशील सोमानी** मेसर्स- सोमानी मेडिकल स्टोर, डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९४३५५२६०२०	**श्रीमती उषा अग्रवाल** आचार्य तुलसी मार्ग, नॉर्थ बोन्गाईगाँव, बोन्गाईगाँव, असम मो. ९४३५५१३५८३	**श्री वेद प्रकाश अग्रवाल** मेसर्स - राम कुमार वेद प्रकाश स्टेशन रोड, करीमगंज, असम मो. ७५७८००७००१	**श्री विष्णु कुमार** मेसर्स - सुनील राइस मिल जागीरोड, मरीगाँव, असम मो. ७६६२९७९९०८
श्रीमती सुनीता पटवारी मेसर्स - संजीव स्टोर एंड एजेंसी, बिश्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम	**श्रीमती सुशीला देवी पोद्दार** राहा पुराना चार्ली, राहा नगांव, असम, मो. ८४७१८६४४७७	**श्रीमती उषा जालान** मिलनपुर बायलेन, उल्लूबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ७८९६००५२६६	**श्रीमती विद्या कुंडलिया** फाटाशिल बाज़ार, गुवाहाटी कामरूप, असम मो. ९४३५०१६६०८	**श्री विष्णु कुमार शर्मा** न्यू चार्ली, राहा, नगाँव, असम मो. ९८६४६६६६६०
श्रीमती सुनीता शर्मा कालापहाड़, गुवाहाटी, असम मो. ८६३८७२१४००	**श्रीमती सुशीला मालू** पान बाजार, मोतीलाल नेहरू रोड, गुवाहाटी, कामरूप, असम मोबाइल: ९४३५०४८१६६	**श्रीमती उषा सिओटिया** अठगाँव बाल्टी कारखाना गुवाहाटी, असम मो. ७००२३०१७१५	**श्री विद्या प्रकाश अग्रवाल** कुवारी, ढाकापट्टी, नगाँव, असम मो. ९४३५०६३४८६	**श्री विष्णु प्रसाद उपाध्याय** गिरीश रॉय पथ बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१७७८
श्री सूरज मल पारख मेसर्स - गौतम टेक्सटाइल्स सिलचर रोड, करीमगंज, असम मो. ९४३५०७४८१४	**श्रीमती सुशीला सेठी** मेन रोड, नहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८४४८०४४६५७	**श्रीमती उषा तापड़िया** विश्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम मो. ९४०११८१९००	**श्री विजय कुमार शर्मा** अठगाँव पुखुरीपाड़ा कामरूप, असम मो. ९४३५१०३३९४	**श्री विवेक ललानी** करीमगंज बाजार करीमगंज, असम मो. ९३९४०६९३३६
श्री सूरजमल चांडक मेसर्स - शिव एंटरप्राइज जागीरोड, मोरीगांव, असम मो. ८०५५१९९१३२	**श्रीमती सुषमा अग्रवाल** शनि राम बाड़ा सर्विस, उल्लुबाड़ी, गुवाहाटी, असम	**श्रीमती उषा तायल** कोश गाँव, विश्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम मो. ८४८६२८७३८६	**श्री विकाश अग्रवाल (टोनी)** एस.जे. रोड, अठगाँव कामरूप, असम मो. ९८६४०३५७४५	**श्री योगेश अग्रवाल** बाय लेन-३, तरुण नगर कामरूप, असम मो. ९८६४०३३७९०
श्री सुरेंद्र कुमार जैन ओवर ब्रिज के पास, थाना चार्ली, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३३९३०	**श्रीमती स्वाति हरलालका** मेन रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४३५०२१४४६	**श्री उत्तम कुमार अग्रवाल** छत्रीबाड़ी, कामरूप, असम मो. ९४३५१०६४४२	**डॉ. विकाश अगरवाला** उत्तर बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४०१५२६४	**श्रीमती आयुषी खेतान** ९४, सी.आर. रोड, रानीगंज, बर्धमान. प. बं. मो. ७८६६०१४६६४
श्री सुरेश अग्रवाल ए.के. आजाद रोड, रेहाबाड़ी, कामरूप, असम मो. ७००२९३३८५३	**श्रीमती स्वाति धारीवाल** शांतिपुर, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०२९५६७	**श्री उत्तम कुमार जीवराजक** ईस्ट इंडिया गली, अठगाँव कामरूप, असम मो. ८०११००६२३१	**श्री विकाश जाजोदिया** जे.पी. अगरवाला रोड भरलुमुख, कामरूप, असम मो. ७००२८६५९७४	**श्री आदर्श कानोड़िया** सेंचुरी टावर्स, ४५, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता मो. ९८३००६६९९६
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल क्लॉथ शॉप, ढाकापट्टी, नगांव, असम मो. ९४३५०६८३७४	**श्रीमती तनुजा सेठिया** बी.ओ.सी. गेट, नॉर्थ बोन्गाईगाँव, बोन्गाईगाँव, असम मो. ७००२९३६६२७	**श्रीमती वंदना अग्रवाल** बिमला बोरा रोड, ढाकापट्टी नगाँव, असम मो. ९८६४१६२१००	**श्रीमती विनीता जैन** सेक्टर ए, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२२९२२४	**श्री आदित्य श्यामसुखा** मंगलम अपार्टमेंट, फ्लैट-४A, २ रोलैंड रोड, कोलकाता मो. ९८३१२७८२३८
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल मेसर्स - अंजनी ट्रेडर्स, ईस्ट मार्केट, करीमगंज, असम मो. ९९५४३९१०६६	**श्रीमती तारा पारीक** मेसर्स - मार्बल सागर बोन्गाईगाँव, असम मो. ९८६४४२७६५६	**श्रीमती वंदना पारीक** गुवाहाटी, असम मो. ९१०१५९६८५५	**श्रीमती विनीता शर्मा** उल्लुबाड़ी, सिग्नेचर, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६०२१८००	**श्री अजय चोपड़ा** मेसर्स - एडीसीओ ओवरसीज १३३, कैनिंग स्ट्रीट, कोलकाता मो. ९८३११५२८६७
श्री सुरेश कुमार धारीवाल मेसर्स- सुशील ट्रेडिंग कंपनी बोंगाइगाँव, असम मो. ८६३८२४३५८२	**श्रीमती उमा जालान** एस.सी. रोड, अठगाँव गुवाहाटी, असम मो. ९४०११५३८८६	**श्रीमती वर्षा शर्मा** बामुनी मैदान, गुवाहाटी, असम मो. ७००२३९९१५१	**श्री विनोद खाकोलिया** परानी ग्लास फैक्ट्री, फाटासिल एँन एस रोड, कामरूप, असम मो. ९८६४७५४१२९	**श्री अजय कुमार अगरवाला** ५०, वेस्टन स्ट्रीट, रूम नंबर- २०४, कोलकाता मो. ६२८९१७९३८०
श्री सूर्य कमल काबरा ए.टी. रोड, लाहोटी चार्ली, डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९४३५५९५३१४	**श्री उमाकांत अग्रवाल** डेली बाज़ार, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो: ९४३५४१४९८६	**श्री वरुण अगरवाला** बारपाड़ा मेन रोड बोन्गाईगाँव, असम मो. ९९५४०९४३१५	**श्री विनोद कमार पोद्दार** मेसर्स - फर्नीचर हाउस हैबरगाँव, नगाँव, असम मो. ९७०६०६७८५१	**श्री अजय कुमार नांगलिया** २४९/एच, जी. टी. रोड, लिलुआ, हावड़ा मो. ८९६११९९४६१
श्री सुशील कुमार अग्रवाल ईस्ट मार्केट, पोस्ट - करीमगंज, करीमगंज, असम मो. ८८२६४७२७९९	**श्रीमती उर्मिला जैन** शास्त्री रोड, नॉर्थ बोन्गाईगाँव, बोन्गाईगाँव, असम मो. ९४३५१२२६०७	**श्री वरुण चौधरी** एस.आर.सी.बी. रोड, फैंसी बाज़ार, कामरूप, असम मो. ९४०१५६४६३७	**श्री विशाल बावरी** द्वारा - डिजाइनर ग्राफिक्स एच.एस. रोड, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३३१९५	**श्री अजय पोद्दार** १४७, जी.टी. रोड, मेहंदी बागान, बर्धमान, प. बं. मो. ९४३४०००४२२

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
SCAN & EXPLORE
Toll-free No.: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
We are also available at:
amazon | Flipkart | JioMart

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 29th July, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com